

सांध्य दैनिक

नई दृष्टि बिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष-01 अंक-270

संपादक आलोक तिवारी

दुर्ग, रविवार 18 अक्टूबर 2026

पृष्ठ 08

मूल्य - 2 रुपए

लापरवाही बरतने वाले पटवारियों पर होगी कार्रवाई

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने ली राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले में राजस्व प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण और आम नागरिकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कलेक्टर अभिजीत सिंह लगातार राजस्व कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर लंबित प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा की तथा अनुविभागीय अधिकारियों, तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों को प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने नामांतरण, फौती, बंटवारा, सीमांकन, धारणाधिकार, भूमि आवंटन और मुआवजा वितरण सहित विभिन्न

राजस्व प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने लंबित मामलों के निराकरण में अनावश्यक देरी पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में कायवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने समय-सीमा से बाहर लंबित फौती नामांतरण और बंटवारा प्रकरणों की समीक्षा की। इसके साथ ही ऑनलाइन रिकॉर्ड दुरुस्ती, नक्शा संशोधन, बंटोकन और डीसीएस से संबंधित कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि समय-सीमा में पूरे किए जाने वाले राजस्व प्रकरण अनावश्यक रूप से लंबित न रहें। इसके लिए नियमित मॉनिटरिंग करते हुए संबंधित अधिकारियों और मैदानी अमले से कार्यों की प्रगति की



जानकारी ली जाए।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि आदेश पारित होने के बाद रिकॉर्ड दुरुस्ती सहित संबंधित कार्यों का समय पर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया

जाए। कार्यों में अनावश्यक देरी करने वाले पटवारियों की प्रकरण क्रमांक सहित सूची तैयार कर जिम्मेदारी तय की जाए। लगातार लापरवाही बरतने और निर्देशों के बावजूद कार्य पूरा

नहीं करने वाले पटवारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए निलंबन के प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए गए। बैठक में नॉन जियो-रिफरेंस खसरो, नक्शा दुरुस्ती और बंटोकन के लंबित मामलों को भी प्राथमिकता से पूरा करने पर जोर दिया गया। साथ ही, पटवारियों की अनुपलब्धता के कारण राजस्व कार्य प्रभावित न हों, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा तकनीकी बाधाओं के समाधान के लिए आवश्यक पत्राचार करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने खसरा सर्वे, पॉलीगन मैपिंग की समीक्षा की। उन्होंने बिना जियो-रिफरेंसिंग वाले खसरो की मौके पर जाकर सही पहचान करने और इस वर्ष धान लगाए गए छूटे हुए खेतों का

प्राथमिकता से सर्वे करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को धान विक्रय में परेशानी न हो। कलेक्टर ने खेतों की सही स्थिति और सीमाएं निर्धारित करने के लिए पटवारी, सरपंच, पंच, ग्राम कोटवार और भूमि स्वामियों का सहयोग लेने को कहा। तैयार किए गए नक्शों की जांच के बाद ही उन्हें डिजिटल क्रॉप सर्वे में दर्ज करने को कहा। इस अवसर पर अपर कलेक्टर वीरेंद्र सिंह, संयुक्त कलेक्टर खेमलाल वर्मा, एसडीएम दुर्ग शहर प्रफुल्ल गुप्ता, एसडीएम दुर्ग ग्रामीण सोनाल डेविड, एसडीएम पाटन श्री नीर निधि, एसडीएम धमधा अंजलि खलको, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, भू अधीक्षक, सहायक अधीक्षक उपस्थित थे।

यमन में हूतियों और सऊदी समर्थित सेना के बीच चल रही तेज जंग



हूती विद्रोहियों के खिलाफ मुकाबले के लिए यूएई ने सऊदी से मिलाया हाथ

नई दृष्टिबिंदु / अबू धाबी

यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ जंग में संयुक्त अरब अमीरात (UAE) की फिर से एंट्री होने जा रही है। यमन के सूत्रों का कहना है कि सऊदी अरब और वअए के बीच इसे लेकर सहमति बन गई है। इसके तहत वअए दक्षिणी यमन मिलिशिया को फिर से फंडिंग देगा। इसके बदले में सऊदी अरब इन हूती विरोधी बलों को हवाई कवर देने के लिए तैयार हो गया है। इसके पहले

सऊदी अरब से तनाव के बाद वअए ने यमन से खुद को बाहर निकाल लिया था। द गार्डियन ने अपनी रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी है। यह नया सहयोग सऊदी अरब और वअए के बीच गहरी दूरियों को करने की कोशिश है। इसकी बड़ी वजह यह है कि हाल ही में पश्चिमी तट समेत पूरे यमन में हूती बलों की बढ़त ने रियाद और अबू धाबी को चिंतित कर दिया है। सऊदी अरब को रोजाना हूतियों के डोने और मिसाइल हमलों का सामना करना पड़ रहा है।

बीच में फीस नहीं बढ़ेगी, छात्रों के लिए सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला



इंजीनियरिंग, फार्मसी और अन्य प्रोफेशनल कोर्स चलाने वाले संस्थान ध्यान दें

नई दृष्टिबिंदु / नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले से छात्रों के हित के लिए कहा है कि इंजीनियरिंग, फार्मसी और अन्य प्रोफेशनल कोर्स की फीस आमतौर पर पढ़ाई शुरू होने के बाद नहीं बढ़ाई जा सकती। कॉलेज में दाखिला लेने से पहले पूरे कोर्स की फीस तय होनी चाहिए, ताकि छात्रों और उनके परिवारों को खर्च का सही अंदाजा रहे। इसका लाभ यह होगा कि छात्रों को फीस बढ़ोतरी से राहत, सुप्रीम कोर्ट ने कॉलेजों और संस्थानों को दी। अहम नसीहत बढ़ती महंगाई के इस दौर में, कॉलेज में दाखिला लेते समय छात्रों और उनके माता-पिता के सामने सबसे बड़ा सवाल बच्चों की पढ़ाई के खर्च का होता है। कई परिवार अपनी बचत खर्च कर डालते

हैं, जबकि कुछ छात्र एजुकेशन लोन लेकर पढ़ाई पूरी करते हैं। ऐसे में कोर्स के बीच अचानक फीस बढ़ने से उनकी आर्थिक योजना बिगड़ सकती है। इसी समस्या पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि प्रोफेशनल कोर्स की फीस पहले से तय करना जरूरी है और बीच में उसमें बदलाव केवल असाधारण परिस्थितियों में ही किया जा सकता है। इसका लाभ यह होगा कि कॉलेज में दाखिला लेने से पहले पूरे कोर्स की फीस तय होगी, जिससे छात्रों और उनके परिवारों को खर्च का सही अंदाजा रहे। हालांकि, खर्च में अचानक और अप्रत्याशित बढ़ोतरी जैसी असाधारण परिस्थितियों में फीस बदलने की गुंजाइश हो सकती है।

नलिनी वैद्य के मरणोपरांत देहदान, पति के साथ 9 साल पहले लिया था संकल्प



प्रनाम के अध्यक्ष पवन केसवानी के माध्यम से पुनीत कार्य संपन्न

नई दृष्टिबिंदु / नई दिल्ली

स्मृति नगर निवासी श्रीमती नलिनी वैद्य के मरणोपरांत उनकी पार्थिव काया चिकित्सा शिक्षा हेतु एम्स रायपुर को समर्पित की गई। लगभग 9 वर्ष पूर्व 7 जुलाई 2017 को श्रीमती नलिनी वैद्य ने अपने पति अशोक वैद्य के साथ प्रबुद्ध नागरिक मंच प्रनाम के अध्यक्ष पवन केसवानी के माध्यम से देहदान की विधिवत वसीयत सौंपी थी। निधन के बाद परिजनों ने उनकी अंतिम इच्छा का सम्मान करते हुए इसकी सूचना पवन केसवानी को दी। इसके पश्चात प्रनाम द्वारा वाहन की व्यवस्था कर पार्थिव काया को एम्स रायपुर भेजा गया। रवाना करने से पूर्व परिजनों एवं उपस्थित प्रबुद्ध नागरिकों ने मौन श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी अंतिम विदाई दी।

इस अवसर पर प्रनाम के अध्यक्ष पवन केसवानी ने कहा कि देहदान मनु के बाद भी मानवता की सेवा करने का श्रेष्ठ माध्यम है। दान की गई पार्थिव देह

चिकित्सा विद्यार्थियों को मानव शरीर की संरचना समझने तथा व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिससे भविष्य में बेहतर चिकित्सक तैयार करने में सहायता मिलती है। उन्होंने कहा कि देहदान के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाने और इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने की आवश्यकता है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस पुनीत कार्य के लिए आगे आएं।

पवन केसवानी ने बताया कि प्रबुद्ध नागरिक मंच प्रनाम वर्ष 2008 से लगातार देहदान के प्रति जनजागरूकता अभियान चला रहा है। संस्था के माध्यम से अब तक छत्तीसगढ़ के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों को 278 पार्थिव देह उपलब्ध कराई जा चुकी है, वहीं 2,186 लोग देहदान की वसीयत कर चुके हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे देहदान के महत्व को समझें और इच्छुक होने पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत इस मानवीय कार्य का संकल्प लें।

रिश्वतखोर अफसरों की अब आ गई शामत!

सुप्रीम कोर्ट की दो टूक- मुकदमा चलाने के लिए अनुमति की जरूरत नहीं

नई दृष्टिबिंदु / नई दिल्ली

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम से जुड़े एक अहम फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर कोई लोक सेवक रिश्वत मांगते हुए पकड़ा जाता है, तो उसे बड़े अधिकारियों से पूर्व अनुमति (सेंक्शन) लेने का सुरक्षा कवच नहीं मिलेगा। कोर्ट ने जोर देकर कहा कि यह कानूनी सुरक्षा केवल इसलिए दी गई है, ताकि अधिकारी अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए लिए गए फैसलों के लिए बेवजह परेशान न किए जाएं।

क्या कहता है पुराना नियम यह फैसला जस्टिस एसवीएन भट्टी और एनवी अंजारिया की पीठ ने अधिनियम की धारा 17A की व्याख्या करते हुए किया। इस धारा को 2018 में कानून में जोड़ा गया था। नियम के मुताबिक सरकारी कमचारियों से बिना आधिकारिक मंजूरी के पूछताछ या जांच नहीं की जा सकती। राजस्थान पुलिस के एक कांस्टेबल ने अपने



खिलाफ दर्ज त्रहम और चाजशीट को चुनौती देते हुए एक अपील दायर की थी, जिसमें उस पर 1.5 लाख रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप है। इस अपील को खारिज करते हुए बेंच ने कहा कि धारा 17A का सुरक्षा कवच, अपराधिक मामलों का सामना कर रहे सभी लोक सेवकों पर एक साथ या बिना किसी भेदभाव के लागू नहीं किया जा सकता।

फैसले से संबंध नहीं

राजस्थान की अतिरिक्त महाधिवक्ता संस्कृति पाठक की दलीलों को स्वीकार करते हुए, पीठ ने कहा कि रिश्वत की मांग करना पूरी तरह से एक आपराधिक कृत्य है। इसका आधिकारिक कार्यों से कोई लेना-देना नहीं है, और न ही इसका लोक सेवक के रूप में अपीलकर्ता द्वारा दी गई किसी सिफारिश या लिए गए किसी निर्णय से कोई संबंध है।

अपील पर क्या बोला कोर्ट

फैसला लिखते हुए जस्टिस अंजारिया ने कहा कि मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए, अपीलकर्ता का कृत्य इस अधिनियम की धारा 17A के तहत मिलने वाले संरक्षण के दायरे में नहीं आता है। यह नहीं कहा जा सकता कि मंजूरी न होने के कारण पूरी कायवाही दूषित हो गई थी।

चुनावी हलफनामे में झूठ पर अब जनता करेगी केस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि चुनावी हलफनामे में गलत जानकारी देने या अथवा तथ्य छिपाने पर आम नागरिक भी उम्मीदवार के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि ऐसे शिकायतों के लिए चुनाव आयोग की मंजूरी की जरूरत नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार, 16 अक्टूबर को कहा कि कोई भी नागरिक चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज करा सकता है, अगर उसने नामांकन के साथ दाखिल हलफनामे में गलत जानकारी दी हो या जरूरी तथ्यों को छिपाया हो। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में शिकायत दर्ज कराने के लिए भारतीय नागरिकों को केवल चुनाव आयोग पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है। यह मामला जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 125ए से जुड़ा है। यह प्रावधान चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की ओर से गलत जानकारी देने, जरूरी तथ्यों को छिपाने या अनिवार्य जानकारी का खुलासा नहीं करने पर दंड का प्रावधान करता है।

महकमे में मचा हड़कंप छत्तीसगढ़ में सड़कों की बदहाली, PWD कटघरे में डामरघोटाला रिटर्न्स, 700 करोड़ के नेक्सस

आलोक तिवारी / रायपुर

छत्तीसगढ़ की सड़कों पर गड़बड़ नहीं, सरकार की साख के सवाल उभर आए हैं। राजधानी से लेकर जिलों तक ढहउकी सड़कें जर्जर हो चुकी हैं और लोक निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवालिया निशान लग गया है। एक तरफ उप मुख्यमंत्री व ढहउमंत्री अरुण साव विभागीय समीक्षा बैठकों में अधिकारियों को फटकार लगा रहे हैं, तो दूसरी तरफ ढहउसचिव मुकेश बंसल के एक बयान ने पूरे महकमे में हड़कंप मचा दिया है।

सचिव की सख्त चेतावनी - रकाम नहीं कर सकते तो केन्द्र को सौंप देते हैं

सूत्रों के मुताबिक हाल ही में ढहउ सचिव मुकेश बंसल ने सड़कों की बदहाली स्थिति पर उच्चस्तरीय बैठक बुलाई। बैठक में अधिकारियों की जमकर क्लास ली गई।



सचिव ने दो टूक कहा - यदि आप लोग काम नहीं सभाल सकते, तो इन सड़कों को सेंट्रल गवर्नमेंट को ट्रांसफर कर देते हैं। इस बयान के बाद यह साफ हो गया है कि ऊपर

से नीचे तक सिस्टम फेल हो रहा है। सवाल मंत्री की सख्ती पर विभाग के मुखिया अरुण साव लगातार बैठकों में सख्ती दिखा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत नहीं बदल रही। सवाल यह है कि केवल बैठक में फटकार से क्या जनता को गड़बड़ से निजात मिलेगी? जब सचिव खुद कह रहे हैं कि अधिकारी काम नहीं कर पा रहे, तो मंत्री की कायशैली पर भी सवाल उठना लाजिमी है।

Below रेट पर टेंडर का खेल और डामर का बहाना - सबसे बड़ा झोल इस पूरे विवाद की जड़ में टेंडर का गोरखधंधा है। आरोप है कि कई शायद टेंडेदारों ने ढहउअधिकारियों से मिलीभगत कर अनुमानित लागत से 20 से 30 फीसदी Below रेट पर टेंडर हथिया लिए। अब वहीं टेंडेदार अंतरराष्ट्रीय बाजार में डामर (बिटुमिन) के दाम बढ़ने का बहाना बनाकर काम को लटका रहे हैं।

सबसे बड़ा उदाहरण रायपुर नगर निगम का है। 15वें वित्त आयोग के तहत 6 सड़कों का निर्माण होना था। उनमें से कई पर काम शुरू ही नहीं हुआ और जो शुरू हुई, वे 10 से 60 प्रतिशत पर अटकी पड़ी हैं। सरकार ने तो डामर की बड़ी कीमतों का मूल्यवृद्धि समायोजन (Price Escalation) भी दे दिया, फिर भी काम ठप है। इससे टेकेदारों की नीयत और विभागीय मॉनिटरिंग की पोल खुल रही है। 700-800 करोड़ का नेक्सस, फिर दोहराया जाएगा 200 करोड़ का डामर घोटाला?

पूरे मामले में सबसे विस्फोटक दावा 700 से 800 करोड़ रुपये के नुकसान और बड़े नेक्सस का है। आरोप है कि अधिकारी, टेकेदार और राजनीतिक संरक्षण का एक बड़ा गठजोड़ काम कर रहा है। तकनीकी विशेषज्ञों का कहना है कि प्रदेश की ज्यादातर सड़कों का बेस पहले

से ठीक है। सिर्फ ऊपर बिटुमिन की लेवलिंग और कारपेटिंग से सड़कें दुरुस्त हो सकती हैं, लेकिन नेक्सस ऐसा नहीं चाहता। वह जानबूझकर काम को जटिल दिखाकर सरकारी खजाने को लूटना चाहता है।

याद कीजिए 200 करोड़ का पुराना डामर घोटाला, जब एशियन डेवलपमेंट बैंक (ADB) के 1200 करोड़ के कर्ज से बनी 21 सड़कों में भारी गड़बड़ी हुई थी और मामला हाईकोर्ट तक गया था। आज फिर वही इतिहास दोहराने की सुगबुगाहट है।

जनता को अब बैठक और चेतावनी नहीं, कार्रवाई चाहिए। मांग उठ रही है कि मंत्री अरुण साव इस 700-800 करोड़ के कथित नेक्सस की स्वतंत्र उच्चस्तरीय जांच कराएं और दोषी अधिकारियों-टेकेदारों पर सिर्फ कागजी नोटिस नहीं, बल्कि सख्त आपराधिक कार्रवाई हो।

सच्ची खबर, सही खबर सबसे पहले, सबसे तेज

हर खबर, हर अपडेट अब YouTube पर

हमारे चैनल को YouTube पर सर्च करें

Nai Drishti Bindu

हमारे साथ जुड़ें

5K+ SUBSCRIBERS 804 VIDEOS 65.55 LAKH+ VIEWS

विश्वसनीय पत्रकारिता का विश्वास सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

अभी SUBSCRIBE करें और पाएं हर खबर सबसे पहले!

हम नहीं दिखाते सिर्फ खबर, हम दिखाते हैं नई दृष्टि!

विवादों का समाधान टकराव से नहीं, संवाद से संभव - प्रधान जिला न्यायाधीश कुजूर



हर्ड नहीं देने पर 6-6 माह का अतिरिक्त साधारण कारावास भु

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

विवादों का समाधान हमेशा टकराव से नहीं बल्कि संवाद, आपसी समझ और सहमति से भी संभव है। इसी संदेश के साथ साईंस कॉलेज दुर्ग में मध्यस्थता 3.0 के तहत कैपस मध्यस्थता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के. विनोद कुजूर के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय दुर्ग, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हेमचंद्र यादव विश्वविद्यालय और साईंस कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग व समान अवसर प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में यह प्रतियोगिता आयोजित हुई। यह आयोजन सुप्रीम कोर्ट की टडड के मार्गदर्शन में 1 अगस्त से 31 दिसंबर 2026 तक चल रहे राष्ट्रव्यापी मध्यस्थता 3.0 अभियान के तहत किया गया।

100 से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीयन कराकर मध्यस्थता के प्रति रुचि दिखाई

कार्यक्रम में प्रधान जिला न्यायाधीश कुजूर ने कहा कि मध्यस्थता हमारी सामाजिक परंपरा का हिस्सा रही है और युवा पीढ़ी इसे आगे बढ़ा सकती है। कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने शैक्षणिक और

भीष्म पितामह श्री सुमति प्रकाश जी महाराज के 89 वें जन्मोत्सव पर 400 से अधिक साधक करेंगे सामूहिक तप

दुर्ग में विशाल आयंबिल महोत्सव 2026

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

श्रमण संघीय सलाहकार भीष्म पितामह पूज्य श्री सुमति प्रकाश जी महाराज के 89वें जन्मोत्सव पर दुर्ग में विशाल आयंबिल महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन होने जा रहा है। जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब में 400 से



अधिक साधक एक साथ सामूहिक आयंबिल तप की आराधना करेंगे। यह आयोजन तप, त्याग, संयम और आत्मशुद्धि का संदेश जन-जन तक पहुंचाएगा। महोत्सव में गच्छाधिपति आचार्य भगवंत परम पूज्य श्री जिनचंद्रसूरीश्वरजी म.सा. की पावन निश्रा, नेपाल के सरी मानव मिलन संस्थापक डॉ. श्री मणिभद्र मुनिजी महाराज आदि ठाणा-6 और तप चक्रवर्ती पन्यास प्रवर श्री वीरभद्र मुनि जी गणि म.सा. आदि ठाणा का पावन सानिध्य मिलेगा। आयंबिल जैन धर्म की महत्वपूर्ण तपस्या है जिसमें साधक स्वाद से दूर रहकर संयम की साधना करता है। धर्मसभा में आचार्य भगवंत श्री जिनचंद्रसूरीश्वरजी, डॉ. श्री मणिभद्र मुनि जी और विराग मुनि जी महाराज पूज्य सुमति प्रकाश

जी महाराज के प्रेरणादायी जीवन चरित्र पर प्रकाश डालेंगे। आयोजकों ने सभी धर्मप्रेमियों से पुण्यलाभ लेने की अपील की है।

लाभार्थी परिवार

एक दिवसीय महोत्सव के लाभार्थी स्व. श्री मदनलाल जी छाजेड़ की स्मृति में एंवता जी टीकम जी छाजेड़ परिवार हैं, वहीं 8 दिवसीय आयंबिल ओली का लाभ श्री राजेश कुमार मालु परिवार ने लिया है।

18 अक्टूबर से आयंबिल गौजनाशाला प्रारंभ

कल से ओसवाल पंचायत दुर्ग के तत्वावधान में आयंबिल शाला का संचालन शुरू होगा। स्थान: जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब, दुर्ग।

कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में भगदड़

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जताया गहरा दुःख

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में हुई भगदड़ की घटना पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में हुई भगदड़ का समाचार अत्यंत दुःखद और हृदयविदारक है। इस त्रासदी में अपनों को खोने वाले सभी परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने मां दुर्गा से दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की है।

रास रंग गरबा महोत्सव में जमकर थिरके भिलाईवासी



दो दिवसीय आयोजन में भक्ति और संस्कृति का संगम, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को मिले आकर्षक पुरस्कार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

महिला चेम्बर भिलाई द्वारा आयोजित दो दिवसीय ह्यरास रंग गरबा महोत्सव गह्रौछास और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। सेक्टर-8 स्थित स्टील क्लब में आयोजित महोत्सव में शहरवासियों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। पारंपरिक वेशभूषा में सजे प्रतिभागियों ने गरबा की धुनों पर नृत्य कर मां दुर्गा की आराधना की। पूरे आयोजन स्थल पर भक्ति, प्रीति और उत्सव का माहौल रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ ब्रह्माकुमारी आश्रम की प्रमुख आशा बहन ने मां दुर्गा की आरती कर किया। इसके बाद रंग-बिरंगी पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे प्रतिभागियों ने गरबा प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। बच्चों, युवाओं, महिलाओं और परिवारों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। आयोजन में धार्मिक आस्था के साथ भारतीय संस्कृति और परंपराओं की झलक भी देखने को मिली।

जनप्रतिनिधियों और अतिथियों ने बढ़ावा उत्साह महोत्सव के दोनों दिनों में सांगद विजय बघेल, नेता प्रतिपक्ष दया सिंह, भाजपा नेता मनीष पाण्डेय, महिला चेम्बर की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. इला अरुण, भाजपा नेत्री दिव्या भसीन, भाजपा महिला मोर्चा प्रभारी स्वीटी कौशिक, शांतिनगर पार्षद अभिषेक मिश्र, सेक्टर पार्षद ईश्वरी नेताम, जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय के चीफ डॉ. उदय, उद्योग चेम्बर अध्यक्ष जे.पी. गुला, चेम्बर सलाहकार

कन्हैया सोनी और दिनकर बासोटिया सहित अन्य अतिथि शामिल हुए। अतिथियों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और आयोजन की सराहना की।

प्रतिभागियों को मिले आकर्षक पुरस्कार

गरबा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए सोने की अंगूठी, साईकिल, चांदी की पायल सहित अन्य आकर्षक पुरस्कार दिए गए। पुरस्कार वितरण से प्रतिभागियों में उत्साह देखने को मिला।

महिला चेम्बर की टीम ने निभाई अहम भूमिका

महिला चेम्बर भिलाई की अध्यक्ष सुमन कन्नौजे और महासचिव सविता शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस महोत्सव ने सामाजिक एकता, पारिवारिक सहभागिता और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने का संदेश दिया। आयोजन को सफल बनाने में संरक्षक गीता वर्मा, प्रभारी सरोजनी पाणिग्राही, कार्यकारी अध्यक्ष रश्मि वर्मा, सुनीता सोनी, लक्ष्मी शाह, प्रीति बग्गा, शेखरन तथा महिला चेम्बर के सभी सदस्यों का योगदान रहा।

दो दिवसीय ह्यरास रंग गरबा महोत्सव भिलाईवासियों के लिए यादगार उत्सव बना। कार्यक्रम की जानकारी महिला चेम्बर की महासचिव सविता शर्मा ने प्रेस विज्ञापित के माध्यम से दी।

सुरक्षा पर डीआईसी का कामिकों से सीधा संवाद

शून्य घातक दुर्घटना का लक्ष्य दोहराया

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में सुरक्षा संस्कृति को मजबूत बनाने के उद्देश्य से शनिवार को ज्ञानाजन एवं विकास केंद्र में सुरक्षा पर लार्ज ग्रुप इंटरैक्शन का आयोजन किया गया। इसमें निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र ने अधिकारियों, कामिकों, पयवैक्षकों, ठेका श्रमिकों एवं सेफ्टी वॉरियर्स से सीधा संवाद किया। उन्होंने कार्यस्थल पर सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शून्य घातक दुर्घटना के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी से व्यक्तिगत जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कार्यालय निदेशक (वर्क्स) राकेश कुमार, सेल के सलाहकार जीपी सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (एसईडी) पुष्पा एम्ब्रोस, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) प्रशांत ओझा तथा महाप्रबंधक प्रभारी (मानव



संसाधन-एलएंडडी) संजीव श्रीवास्तव सहित संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र ने कहा कि कार्यस्थल पर सुरक्षा केवल किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक कामिक का दायित्व है। सुरक्षा संस्कृति को सुदृढ़ बनाने के लिए सभी स्तरों पर सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि

प्रत्येक कामिक को यह सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य करना चाहिए कि वह अपनी पाली पूरी करने के बाद सुरक्षित घर लौटे। उन्होंने कामिकों को अपने कार्यक्षेत्र में अपनाई जा रही श्रेष्ठ सुरक्षा पद्धतियों को साझा करने तथा उपयोगी उपायों को व्यापक स्तर पर लागू करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कार्यालय निदेशक (वर्क्स) राकेश कुमार के साथ

विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम ने गुंडरदेही में आयोजित की जागरूकता बैठक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र के गुंडरदेही उप संभाग में विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम दुर्ग द्वारा विद्युत उपभोक्ता जागरूकता विषय पर विशेष बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में विद्युत विभाग के सहायक यंत्री, विभिन्न वितरण केंद्रों के कनिष्ठ यंत्री सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गुंडरदेही नगर पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित अन्य जनप्रतिनिधि और घरेलू, कृषि पंप, व्यावसायिक एवं औद्योगिक कनेक्शन से जुड़े बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए फोरम (उत्कृष्ट) दुर्ग के अध्यक्ष



पी.व्ही. सजीव एवं बीएसपी क्षेत्र के अध्यक्ष अनिल कुमार चौहान ने फोरम की कार्यप्रणाली, शिकायतों के प्रकार और उन्हें दर्ज कराने की प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही मानक संचालन प्रक्रिया (रखड) के मापदंडों, निर्धारित समय-सीमा और विद्युत आचार संहिता के प्रावधानों के बारे में भी अवगत

कराया। इस दौरान अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि उपभोक्ताओं की हर समस्या का त्वरित और पारदर्शी तरीके से निराकरण किया जाए। बैठक में विद्युत व्यवस्था से जुड़ी स्थानीय समस्याओं पर चर्चा कर उपभोक्ताओं की शंकाओं का समाधान भी किया गया।

सुविधा सीओ एवं सीसीडी की पहल, महिला श्रमिकों की स्वच्छता और स्वास्थ्य को मिलेगी

महिला ठेका श्रमिकों की सुविधा के लिए की सेनेटरी पैड मशीन स्थापित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग (सीओ एवं सीसीडी) ने महिला ठेका श्रमिकों की सुविधा, स्वास्थ्य और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए कार्यस्थल पर सेनेटरी पैड मशीन स्थापित करने की पहल की है। इसके तहत कोक सॉर्टिंग प्लांट-3 के महिला विश्राम कक्ष में मशीन स्थापित की गई है, जबकि वर्क्स बिल्डिंग-4 में भी एक अन्य मशीन स्थापित की जा रही है।

मुख्य महाप्रबंधक (सीओ एवं सीसीडी) तुलाराम बेहेरा के मार्गदर्शन में उप महाप्रबंधक सुनील कुमार गुप्ता ने सेनेटरी पैड मशीन दान की, जिसे मानव संसाधन विभाग के सहयोग से कोक सॉर्टिंग प्लांट-3 के महिला विश्राम कक्ष में स्थापित किया गया है। इसी क्रम में सहायक महाप्रबंधक प्रशांत कुमार ने भी एक अन्य मशीन दान की है, जिसे वर्क्स बिल्डिंग-4 में स्थापित किया जा रहा है।

विभाग के मानव संसाधन अनुभाग द्वारा अन्य कार्यस्थलों पर भी ऐसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य महिला श्रमिकों को आवश्यकता के समय सेनेटरी पैड सहजता से उपलब्ध कराना तथा कार्यस्थल पर उनकी व्यक्तिगत स्वच्छता और सुविधा का ध्यान रखना है। कोक सॉर्टिंग प्लांट-3 की महिला ठेका श्रमिकों ने इस



सुविधा के लिए आभार व्यक्त किया। विभाग की यह पहल महिला श्रमिकों की दैनिक आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशीलता और उनके सम्मान को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सीओ एवं सीसीडी की इस पहल से कार्यस्थल पर महिला

श्रमिकों के लिए सुविधाजनक, सुरक्षित और सहयोगात्मक वातावरण विकसित करने में मदद मिलेगी। साथ ही, यह पहल महिला कमचारियों के स्वास्थ्य, व्यक्तिगत गरिमा और कल्याण को प्राथमिकता देने की दिशा में विभाग की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

बीएसपी के निजीकरण के नाम पर भिलाईवासियों को गुमराह कर रहे विधायक : मनीष पाण्डेय

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भाजपा नेता एवं श्रीराम जन्मोत्सव समिति युवा विंग के अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने भिलाई विधायक देवेन्द्र यादव पर राजनीतिक लाभ के लिए जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया है। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया, मतदाता सूची से नाम कटने और भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) के कथित निजीकरण को लेकर विधायक की भूमिका पर सवाल उठाए।

मनीष पाण्डेय ने कहा कि भिलाई में एसआईआर के तहत मतदाता सूची से करीब 40 हजार नाम कटे जाने के मुद्दे पर कांग्रेस के अधिकृत बीएलए-2 ने स्थानीय निर्वाचन अधिकारियों के समक्ष आपत्तियां दर्ज कराई थीं। उनके अनुसार, प्रशासन ने नियमानुसार सुनवाई की। ऐसे में उन्होंने सवाल किया कि जब स्थानीय



स्तर पर प्रक्रिया के तहत आपत्तियां दर्ज कराई गई थीं, तो इस मुद्दे को लेकर दिल्ली में राहुल गांधी के साथ धरना-प्रदर्शन करने की आवश्यकता क्यों पड़ी? पाण्डेय ने आरोप लगाया कि वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव के दौरान भिलाई के युवाओं को बीएसपी में सीधी नौकरी दिलाने का वादा किया गया था, लेकिन यह पूरा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि अब आगामी नगर निगम चुनाव को देखते

हुए बीएसपी के निजीकरण की आशंका का मुद्दा उठाकर कमचारियों और नागरिकों के बीच भय का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है। भाजपा नेता ने राजस्थान में बिजली परियोजनाओं, छात्रसंग्रह के हसदेव अरण्य क्षेत्र में पेड़ों की कटाई और भिलाई स्थित एसीसी सीमेंट के अधिग्रहण का उल्लेख करते हुए विधायक देवेन्द्र यादव से सवाल किया कि इन मुद्दों पर उन्होंने उस समय क्या रुख अपनाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि निजीकरण और उद्योगों से जुड़े मामलों पर विरोध का रुख राजनीतिक परिस्थितियों के अनुसार बदला जा रहा है। मनीष पाण्डेय ने कहा कि भिलाई की जनता को किसी भी मुद्दे पर प्रतिक्रिया देने से पहले तथ्यों की जानकारी लेनी चाहिए। उन्होंने नागरिकों को राजनीतिक बयानों और दावों की पड़ताल कर निर्णय लेने की अपील की।

मध्यस्थता और संवाद के जरिए विवादों को सुलझाना हमारी परंपरा और विरासत में है- प्रो संजय



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मध्यस्थता और संवाद के जरिए विवादों को सुलझाना हमारी परंपरा और विरासत में है, इस परंपरा को पुनर्स्थापित करने की जरूरत है। ये उद्गार हमें चंद यादव विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) संजय तिवारी ने मिडिएशन 3.0: कैपस मध्यस्थता प्रतियोगिता के समापन और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रकट किए। उन्होंने आगे कहा कि भारत में पंच परमेश्वर की परंपरा रही है, अदालत कारवाजा खटखटाने से पहले आपसी संवाद के जरिए विवादों को सुलझाने का प्रयास किया जाना चाहिए। विवाद कड़वाहट उत्पन्न करते हैं जबकि संवाद के जरिए सामंजस्य बढ़ता है। प्रो. तिवारी कैपस मध्यस्थता प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे।

मध्यस्थता (मीडिएशन) के माध्यम से आपसी असहमति से त्वरित, सरल एवं सौहार्दपूर्ण समाधान सुनिश्चित करना है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चतुर्थ जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश श्री अनीश दुबे ने अदालतों में महिला प्रताड़ना के प्रकरणों की बड़ी संख्या को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की उन्होंने कहा कि छोटी बच्चियों के साथ हो रहे यौन अपराध की बड़ी संख्या बता रहा है कि हमारे समाज का मनोविज्ञान किस कदर प्रदूषित हो रहा है, उन्होंने कहा कि इसका एक बड़ा कारण मोबाइल और सोशल मीडिया का अंधाधुंध उपयोग है, आज हालात ये हैं कि परिवार के लोग एक साथ बैठ कर बात करना कम कर चुके हैं और मोबाइल में डूबे हुए हैं जिसके कारण परिवार में संवाद खत्म हो रहा है। मनोविज्ञान के छात्रों को इसके लिए भी जागरूकता अभियान चलाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि उच्चतम न्यायालय के मीडिएशन एवं कॉन्सिलिएशन प्रोजेक्ट कमेटी (टडड) के निर्देशन में 01 अगस्त, 2026 से 31 दिसम्बर, 2026 तक पूरे देश में मीडिएशन फॉर दि नेशन 3.0 अभियान संचालित किया जा रहा है जिसके तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग और हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के संयुक्त तत्वाधान में, विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में 7 अक्टूबर से मध्यस्थता 3.0: कैपस मध्यस्थता प्रतियोगिता आयोजित की जा रही थी जिसका फाइनल आज 16 अक्टूबर को हुआ तथा अपराध 2 बजे पुरस्कार वितरण किया गया। प्रतियोगिता में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया तथा हिस्सा लिया।

साइंस कॉलेज में संपन्न हुआ कैपस मध्यस्थता प्रतियोगिता का समापन विजेता हुए पुरस्कृत

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रमुख जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री के. विनोद कुंजूर, मुख्य अतिथि की आसदी से बोलते हुए श्री कुंजूर ने कहा कि हमारी अदालतों में प्रकरणों का अम्बार लगा हुआ है, उनमें बहुत से प्रकरण साधारण विवादों से संबंधित हैं, जिनका निवारण संवादों के जरिए हो सकता है, कुटुंब न्यायालयों में पारिवारिक विवाद के तथा व्यवहार न्यायालयों में प्रायः भाई भाई के बीच संपत्ति विवाद के प्रकरण बहुतायत में हैं। न्यायालयों और न्यायाधीशों की संख्या के अनुपात में प्रकरणों की संख्या बहुत ही ज्यादा है, मिडिएशन अभियान का उद्देश्य न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों तथा प्रो. -लिटिगेशन (वाद दायर होने से पूर्व) विवादों का

रायपुर कमिश्नरेट की बड़ी कार्रवाई, 85 किलो गांजा के साथ 3 अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार, 58 लाख का माल जप्त

एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट, एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स और थाना सिविल लाइन की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने सुखे नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 85 किलोग्राम गांजा के साथ 2 अंतर्राज्यीय सहित 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। DCP क्राइम एवं साइबर



स्मृति राजनाला और DCP सेंट्रल जौन तारकेश्वर पटेल की मार्गदर्शिका में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट, एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स और थाना

सिविल लाइन की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। दुर्गा चौक मैदान के पास कार से पकड़ा गया गांजा

16 अक्टूबर को सूचना मिली थी कि थाना सिविल लाइन क्षेत्रांतर्गत दुर्गा चौक मैदान के पास चारपहिया वाहन में कुछ लोग गांजा बिक्री की

पाण्डेय कबाड़ी के गोदाम से चोरी के एंगल-जाली बरामद, सुरेश गिरफ्तार

जामुल पुलिस ने वर्ष 2025 की चोरी के मामले में की कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जामुल थाना क्षेत्र के देवनगर और शिवपुरी में लोहे के एंगल व तार जाली चोरी के मामले में पुलिस ने कबाड़ी व्यवसायी सुरेश सिंह उर्फ सुरेश पाण्डेय (65) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को 17 अक्टूबर को मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर पकड़ा। मामले में उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। वहीं, उसके शंकर नगर, छावनी स्थित गोदाम से बरामद करीब 18 टन से अधिक कबाड़ी सामग्री की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, वर्ष 2025 में देवनगर और शिवपुरी क्षेत्र से लोहे के एंगल एवं तार जाली चोरी होने के मामले में जामुल थाने में अपराध क्रमांक 400/2025 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) में प्रकरण दर्ज किया गया था।

गोदाम में मिली चोरी की सामग्री
पुलिस को 13 अक्टूबर को सूचना मिली थी कि शंकर नगर, छावनी स्थित पाण्डेय कबाड़ी के गोदाम में चोरी का स्कूप छिपाकर रखा गया है। इसके बाद पुलिस टीम ने गोदाम में दबिश दी, जहां लोहे के एंगल, तार जाली और अन्य लौह सामग्री मिली। पुलिस ने सामग्री जब्त कर उसकी जांच शुरू की।



गोदाम में मिले मैनेजर नरसिंह यादव से पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर बरामद सामग्री का पूर्व में दर्ज चोरी के मामले से मिलान किया गया। नरसिंह यादव को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका है।

पुलिस के मुताबिक, विवेचना के दौरान सुरेश सिंह उर्फ सुरेश पाण्डेय की संलिप्तता सामने आई। आरोप है कि उसने अपने साथ काम करने वाले कमचारियों के साथ मिलकर देवनगर और

शिवपुरी क्षेत्र से लोहे के एंगल एवं तार जाली चोरी की थी। मुखबिर से सूचना मिलने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने प्रकरण से संबंधित 20 लोहे के एंगल और तार जाली के दो बंडल बरामद किए हैं। इसके अलावा गोदाम से रेल पटरी का एक टुकड़ा, 10 एंगल पट्टी, लोहे का सरिया, गैस कटिंग नोजल, तीन तौल मशीन, आठ ऑक्सीजन सिलेंडर, चार एलपीजी सिलेंडर, लोहे की ब्रशल के चार बंडल, चमकीली धातु की चार बोरिंग्स, एल्यूमिनियम पट्टी, कैलकुलेटर और टाटा-एस पिकअप वाहन क्रमांक उम्र07 इफ3212 सहित अन्य सामग्री जब्त की गई है।

गोदाम में मिली करीब 18 टन से अधिक अन्य लौह कबाड़ी सामग्री के स्रोत और वैध स्वामित्व की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर अन्य संभावित संलिप्त व्यक्तियों के संबंध में भी कार्रवाई की जाएगी।

दुर्ग पुलिस ने कबाड़ी व्यवसायियों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों से अपील की है कि स्कूप खरीदते समय उसके वैध स्वामित्व और आवश्यक दस्तावेजों की जांच करें। चोरी की संपत्ति की खरीद-बिक्री या उसे छिपाने से संबंधित संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

नुक़ड़ नाटक से स्वच्छता के प्रति लोगों को किया जागरूक

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की नंदिनी माइन्स की ओर से स्वच्छता ही सेवा-भाव अभियान के तहत 15 अक्टूबर को स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत नंदिनी टाउनशिप में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के समीप और अहिंवारा बस स्टैंड के पास नुक़ड़ नाटक प्रस्तुत कर स्थानीय नागरिकों एवं व्यापारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।



और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से संदेश दिया गया कि स्वच्छता केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है। कार्यक्रम में नंदिनी माइन्स के उप

महाप्रबंधक ओमन टेटे एवं अजय चतुर्वेदी तथा सहायक महाप्रबंधक अलंकार भिवगढ़ सहित अनेक अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। नंदिनी टाउनशिप के रहवासियों और अहिंवारा बस स्टैंड के आसपास के व्यापारियों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

पिता की हत्या के मामले में बेटे को आजीवन कारावास

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

पिता की हत्या के मामले में अपर सत्र न्यायालय, पाटन ने आरोपी डोमन लाल यदु (42) को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपी पर एक हजार रुपये का अथर्दंड भी लगाया है। अथर्दंड अदा नहीं करने पर उसे पांच माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतान होगा। दुर्ग पुलिस की विवेचना और अभियोजन पक्ष की प्रभावी पैरवी के बाद यह फैसला आया है।



में अपराध क्रमांक 428/2025 दर्ज किया गया था। मामले की विवेचना तत्कालीन थाना प्रभारी निरीक्षक महेश ध्रुव ने की। विवेचना के दौरान साक्ष्य संकलित कर 22 दिसंबर 2025 को न्यायालय में अभियोजन पत्र प्रस्तुत किया गया।

मामले की सुनवाई अपर सत्र न्यायालय, पाटन में हुई। अभियोजन पक्ष की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक शेखर वर्मा ने पैरवी करते हुए न्यायालय के समक्ष साक्ष्य और तर्क प्रस्तुत किए। इन पर विचार करने के बाद न्यायालय ने 16 अक्टूबर 2026 को आरोपी डोमन लाल यदु उर्फ चुन्नी लाल यदु, निवासी ग्राम गाड़ाडीह चौक, थाना उतई, जिला दुर्ग को भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 के तहत दोषसिद्ध कर आजीवन कारावास की सजा सुनाई। पुलिस के अनुसार, प्रकरण में साक्ष्यों के संकलन, समय पर अभियोजन पत्र प्रस्तुत करने और अभियोजन पक्ष की न्यायालयीन पैरवी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्रवचन चातुर्मास धर्मसभा में धैर्य, ईमानदारी और माता-पिता के सम्मान का दिया संदेश

मन की मृत्यु ही परमात्मा के दर्शन का मार्ग: अक्षय मुनि

नई दृष्टिबिंदु / बालाद

चातुर्मास प्रवचन के दौरान शासन दीपक श्री अक्षय मुनि जी मसा ने कहा कि सच्चा सुख अवश्य है। तोषकर देव ने जीवन का मार्ग समझाया और आचार्य भगवतों ने भगवान महावीर की वाणी को जन-जन तक पहुंचाया। आज तीर्थंकर प्रत्यक्ष रूप से मौजूद नहीं हैं, लेकिन गुरु कृपा और संतों के प्रवचनों के माध्यम से उनकी वाणी सुनने का अवसर मिल रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि व्यक्ति प्रवचनों को समझकर अपने जीवन में उतारे। मुनि श्री ने कहा कि समझ के अभाव में व्यक्ति धर्म को अधर्म और अधर्म को धर्म मानने लगता है। संसार की झूठी कल्पनाओं से बहरा निकलकर वास्तविकता को स्वीकार करना चाहिए। जीवन में दुख का समय आता है तो सुख का समय भी अवश्य आता है। समय के साथ घाव भरते हैं और परिस्थितियां बदलती हैं। यदि हार से इतना डर लगता है कि प्रयास ही न किया जाए, तो जीत की इच्छा छोड़ देना ही बेहतर है।

धैर्य और सुझबूझ से करें समस्याओं का सामना

मुनि श्री ने कहा कि व्यक्ति में धैर्य की कमी नहीं होनी चाहिए। चंद्र और सूर्य ग्रहण भी समय के साथ आते हैं और चले जाते हैं, उसी तरह जीवन की परिस्थितियां भी स्थायी नहीं होतीं। संसार में हर व्यक्ति के सोचने का तरीका अलग होता है। घर-परिवार में अनेक प्रकार की समस्याएं आती हैं, लेकिन सुझबूझ और दूरदृष्टि के साथ उनका सामना करना चाहिए। महान व्यक्ति छोटी-छोटी बातों पर विवाद नहीं करते और न ही हर बात को मुद्दा बनाते हैं।

उन्होंने कहा कि व्यक्ति को यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि उसके बिना संसार का काम नहीं चल सकता। स्नेह और राग के बीच रहते हुए भी धर्म-ध्यान किया जा सकता है। अपने व्यक्तित्व को निखारना और जीवन में संतुलन बनाए रखना जरूरी है।

माता-पिता के सम्मान पर जोर देते हुए अक्षय मुनि जी मसा ने कहा कि जिन माता-पिता

ने अपना पूरा जीवन बच्चों के पालन-पोषण में लगा दिया, उनका सम्मान करना प्रत्येक संतान का कर्तव्य है। आज कई बार बच्चे पढ़-लिखकर माता-पिता को ही कम समझने लगते हैं। मोबाइल को प्राथमिकता देने के बजाय माता-पिता का आशीर्वाद लेना चाहिए। उनका आशीर्वाद जीवन में सबल प्रदान करता है।

उन्होंने ईमानदारी से जीवन जीने और सुपात्र को दान देने की महिमा भी बताई। मुनि श्री ने कहा कि दुकानदार ईमानदार कमचारी चाहते हैं, लेकिन इसके लिए स्वयं भी ईमानदार होना आवश्यक है। व्यक्ति को समाज के अहंकार में नहीं पड़ना चाहिए। भगवान महावीर ने अकेले चलकर सत्य और आत्मकल्याण का मार्ग दिखाया। भ्रम के विकारों का अंत ही परमात्मा के दर्शन की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग है।

तप-आराधना में जुटे श्रावक-श्राविकाएं
मुनि श्री की प्रेरणा से जैन समाज के श्रावक-श्राविकाएं प्रतिदिन त्याग, तपस्या, आराधना और संवर तप कर रहे हैं। इसी क्रम में रमेश

नाहटा और मुस्कान सोनी ने सात उपवास की तपस्या का संकल्प लिया। वहीं यशी लोढ़ा, सोनाक्षी लोढ़ा और संकेत ललवानी ने तीन उपवास की तपस्या का प्रत्याख्यान ग्रहण किया।



तपस्वी संकेत ललवानी

नवरात्रि पर सुरक्षा के लिए 361 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी तैनात

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नवरात्रि पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित संपन्न कराने के लिए दुर्ग पुलिस ने जिले भर में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। गरबा आयोजनों, चुनरी यात्राओं और दुर्गा पंडालों की सुरक्षा के लिए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 361 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। दिन और रात की अलग-अलग पालियों में पुलिस बल तैनात रहकर 24 घंटे सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखेगा। पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए प्रमुख आयोजन स्थलों, दुर्गा पंडालों और चुनरी यात्रा मार्गों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। संवेदनशील स्थलों पर फिक्स पॉइंट बनाए गए हैं, वहीं लगातार पेट्रोलिंग और गश्त के जरिए कानून-व्यवस्था की निगरानी



की जा रही है। पुलिस लाइन से अतिरिक्त बल लगाकर सुरक्षा प्रबंधों को मजबूत किया गया है। गरबा आयोजनों में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महिला शक्ति टीम को सक्रिय किया गया है। टीम आयोजन स्थलों पर निगरानी रखेगी। छेड़छाड़, अभद्र व्यवहार या संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल वैधानिक

कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराना है, ताकि वे निर्भय होकर धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में शामिल हो सकें। गरबा स्थलों, दुर्गा पंडालों और चुनरी यात्रा मार्गों पर भीड़ को देखते हुए यातायात पर निगरानी रखेगी। छेड़छाड़, अभद्र व्यवहार या संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल वैधानिक

तेज रफ्तार बोलेरो ने सड़क किनारे खड़े 3 लोगों को रौंदा, 3 की मौत

आरोपी ओडिशा बॉर्डर से गिरफ्तार



नई दृष्टिबिंदु / मंगेली

ग्राम दशरंगपुर में सड़क किनारे खड़े तीन लोगों को महिंद्रा वीरो बोलेरो ने कुचलकर मारने के मामले में जरहागांव पुलिस और साइबर टीम ने 4 आरोपियों को रायगढ़ के ओडिशा बॉर्डर से गिरफ्तार किया है।

15 अक्टूबर सुबह 6 से 6.15 बजे के बीच सफेद महिंद्रा वीरो क्रमांक हड 25 5623 के चालक ने तेज गति और लापरवाही से विपरीत दिशा में वाहन चलाते हुए सड़क किनारे खड़े तीन लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में अधीनदास मोहले (65), बलू बघेले (56) दोनों निवासी दशरंगपुर और गंगाराम टंडन निवासी भाठापारा मुंगेली की मौत हो गई। चालक मौके से फरार हो गया।

मर्ग जांच और गवाहों के कथन से पता चला कि चालक जानबूझकर खतरनाक तरीके से वाहन चला रहा था। इस पर थाना जरहागांव में सदोष मानव बंध धारा 105 BNS और 184 MV Act के तहत अपराध दर्ज किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के निर्देशन, ASP नवनीत कौर छाबड़ा और रज्जु आशीष अरोरा के मार्गदर्शन में टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पीछा किया। आरोपी रायगढ़ से ओडिशा होते हुए पश्चिम बंगाल

भाग रहे थे। रायगढ़ साइबर टीम की मदद से ओडिशा बॉर्डर पर वाहन को रोककर 4 लोगों को हिरासत में लिया गया।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे 14 अक्टूबर को बकरी खरीदने बंगाल से मुंगेली आ रहे थे। 15 को सुबह दशरंगपुर पहुंचे तो वाहन नवजीत दास चला रहा था, साथ में अनंता विश्वास, कानू विश्वास और सौरव मल्लिक थे।

खाली रोड देख साक्ष्यों के कहने पर चालक ने बहुत तेज और गलत दिशा में वाहन दौड़ाया और तीनों को टक्कर मार दी। बाद में सबूत मिटाने के लिए खून के निशान साफ किए और बोनट तोड़कर फेंक दिया। इस पर धारा 238 क और 3(5) BNS जोड़ी गई।

गिरफ्तार आरोपी
नवजीत दास पिता परेश दास 24 वर्ष - चालक, अनंता विश्वास पिता कानू विश्वास 31 वर्ष, कानू विश्वास पिता अनिल 57 वर्ष, सौरव मल्लिक पिता गौतम 30 वर्ष सभी निवासी नॉर्थ 24 परगना, पश्चिम बंगाल। सभी को 16 अक्टूबर को गिरफ्तार कर 17 को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। वाहन जब्त कर लिया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी दिव्यकांत पांडेय, साइबर प्रभारी सत्येंद्र पुरी गोस्वामी, प्र.आर. देव डिंडोर, आर. अतुल सिंह, राहुल यादव, प्रवीण मिश्रा की भूमिका रही।



संपादकीय

राष्ट्रीय ध्वज किसी दल की पहचान नहीं, पूरे राष्ट्र के सम्मान और स्वाभिमान का प्रतीक है

भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा देश की एकता, अखंडता, स्वतंत्रता और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। इसके तीन रंग केवल कपड़े पर बनी आकृति नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के संघर्ष, बलिदान और सपनों की अभिव्यक्ति हैं। तिरंगे के सम्मान से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता। ऐसे में जब कोई राजनीतिक दल अपने झंडे के लिए तिरंगे के रंगों या उसकी संरचना का इस्तेमाल करता है, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि राष्ट्रीय प्रतीकों की गरिमा और राजनीतिक दलों की पहचान के बीच सीमा कहाँ निर्धारित होनी चाहिए। लोकतंत्र में प्रत्येक राजनीतिक दल को अपनी विचारधारा, संगठन और पहचान के अनुरूप झंडा बनाने का अधिकार है। लेकिन यह अधिकार राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान और कानून की सीमाओं के अधीन है। राजनीतिक दलों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके झंडे से राष्ट्रीय ध्वज के प्रति भ्रम की स्थिति पैदा न हो और न ही उसके सम्मान को ठेस पहुंचे। राष्ट्रीय ध्वज का स्वरूप, उसके रंगों का क्रम और अशोक चक्र जैसी विशेषताएं उसे विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं। इसलिए किसी भी दल को अपनी राजनीतिक पहचान स्थापित करने के लिए राष्ट्रीय प्रतीकों की गरिमा को दांव पर नहीं लगाना चाहिए। आज राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का दायरा लगातार बढ़ रहा है। विचारधाराओं के बीच मतभेद होना लोकतंत्र की स्वाभाविक विशेषता है, लेकिन राष्ट्रीय प्रतीकों को राजनीतिक विवाद का माध्यम बनाना उचित नहीं है। किसी दल के झंडे को लेकर सवाल उठते तो उसका समाधान भावनात्मक आरोप-प्रत्यारोप के बजाय तथ्यों, संवैधानिक मूल्यों और कानून के आधार पर होना चाहिए। किसी राजनीतिक दल की आलोचना उसके विचारों, नीतियों और कार्यप्रणाली के आधार पर की जानी चाहिए, न कि केवल उसके नाम या प्रतीकों को लेकर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करके।

यह भी समझना जरूरी है कि तिरंगे के रंगों का इस्तेमाल मात्र अपने आप में गैरकानूनी नहीं है। किसी झंडे की वैधता का प्रश्न उसके वास्तविक डिजाइन, इस्तेमाल के तरीके और लागू कानूनी प्रावधानों के आधार पर तय किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय गौरव से जुड़े विषयों पर बिना पर्याप्त जानकारी के किसी दल को दोषी ठहराना भी उचित नहीं है। राजनीतिक दलों के लिए यह आत्ममंथन का समय है कि वे अपनी पहचान के लिए ऐसे प्रतीकों का चयन करें, जो उनकी विचारधारा को स्पष्ट करें और राष्ट्रीय ध्वज से अनावश्यक समानता या भ्रम पैदा न करें। वहीं नागरिकों की भी जिम्मेदारी है कि वे राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के विषय में जागरूक रहें और किसी विवाद पर निष्कर्ष निकालने से पहले वास्तविक तथ्यों की पड़ताल करें।

तिरंगा किसी एक पार्टी, संगठन, धर्म, जाति या विचारधारा का नहीं, बल्कि पूरे भारत का है। इसकी गरिमा की रक्षा करना सरकार, राजनीतिक दलों और प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। राजनीतिक झंडे बदल सकते हैं, दल बन और बिगड़ सकते हैं, सत्ता आती-जाती रहती है, लेकिन तिरंगे का सम्मान सदैव सवोपरि रहना चाहिए। राष्ट्र की पहचान को दलगत राजनीति से ऊपर रखना ही सच्चे लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रीय सम्मान की कसौटी है।

वीर जवानों का त्याग सदैव रहेगा स्मरणीय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि बस्तर की धरती पर शांति की स्थापना और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले हमारे वीर जवानों का शौर्य, त्याग और समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। हमारे जवानों ने केवल नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष नहीं किया, बल्कि अपने रक्त और बलिदान से बस्तर में शांति, सुरक्षा और खुशहाली के नए युग की नींव रखी है। आज बस्तर में शांति और विश्वास की जो नई सुबह दिखाई दे रही है, उसके पीछे हमारे सुरक्षा बलों का अदम्य साहस और अमर शहीदों का सर्वोच्च बलिदान है।

मुख्यमंत्री श्री साय आज राजधानी रायपुर में द हिन्दू फाउंडेशन, नागपुर द्वारा आयोजित शौर्याजलि: बस्तर के नायकों को समर्पित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बस्तर में शांति और सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले 50 अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके परिजनों का सम्मान किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने शहीद परिवारों के प्रति गहरी संवेदना और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि किसी अपने को खोने की पीड़ा को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। जब एक जवान देश और समाज की रक्षा करते हुए शहीद होता है तो एक मां अपना बेटा, पत्नी अपना जीवनसाथी और बच्चे अपने पिता का साया खो देते हैं। इस अपूरणीय क्षति की भरपाई संभव नहीं है, लेकिन पूरा छत्तीसगढ़ अपने वीर सपूतों और उनके परिवारों के प्रति सदैव कृतज्ञ रहेगा।

उन्होंने शहीद परिवारों से कहा कि आपके अपने केवल आपके परिवार के सदस्य नहीं थे, वे पूरे छत्तीसगढ़ और राष्ट्र के गौरव हैं। उन्होंने अपने जीवन से साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिसे आने वाली पीढ़ियां गर्व और सम्मान के साथ याद करेंगी।

शहीद परिवारों के हर सुख-दुख ने साथ खड़ी है सरकार

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शहीद परिवारों का सम्मान, सुरक्षा और कल्याण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। मातृभूमि और समाज की सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले जवानों के परिवारों की चिंता करना सरकार का दायित्व है। राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ शहीद परिवारों के सुख-दुख में सहभागी है और भविष्य में भी हर परिस्थिति में उनके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी।

उन्होंने कहा कि शहीदों के परिवार हमारे लिए केवल सहायता के पात्र परिवार नहीं, बल्कि हमारे अपने परिवार हैं। उनका सम्मान करना और उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

संपादकीय

अमर शहीदों के सर्वोच्च बलिदान से बस्तर में शांति की नई सुबह



प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री के नेतृत्व में नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक अभियान

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में नक्सलवाद के समूल उन्मूलन के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने दृढ़ इच्छाशक्ति तथा बेहतर समन्वय के साथ अभियान चलाया है। केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा निर्धारित 31 मार्च 2026 के लक्ष्य को लेकर सुरक्षा बलों ने पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया।

उन्होंने कहा कि चार दशकों से बस्तर में गहरी जड़ें जमा चुके नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष आसान नहीं था। घने जंगलों, दुर्गम पहाड़ियों और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच हमारे जवानों ने अपूर्वपूर्व साहस का परिचय दिया। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयास, सुरक्षा बलों की रणनीति और जवानों के अदम्य पराक्रम से नक्सलवाद के विरुद्ध अभियान की निर्णायक सफलता मिली।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में बस्तर में स्थायी शांति और विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इस परिवर्तन के वास्तविक नायक हमारे सुरक्षा बलों के जवान हैं, जिन्होंने कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्य और राष्ट्रसेवा के संकल्प से कभी समझौता नहीं किया।

चार दशकों तक बस्तर ने झेला हिंसा का दंश

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर अपनी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, गौरवशाली परंपराओं, अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य और सरल-सहज जनजीवन के लिए पूरी दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। दुर्भाग्य से चार दशकों तक इस सुंदर अंचल को नक्सली हिंसा का दंश झेलना पड़ा। हजारों परिवार हिंसा से प्रभावित हुए। अनेक बच्चों का बचपन भय और असुरक्षा के बीच गुजरा और दूरस्थ अंचलों के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क,

बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए भी लंबे समय तक संघर्ष करना पड़ा।

उन्होंने कहा कि इस कठिन दौर में हमारे सुरक्षा बलों के जवान बस्तरवासियों की सुरक्षा के लिए चढ़ान की तरह खड़े रहे। अपने परिवारों से सैकड़ों किलोमीटर दूर रहकर उन्होंने जंगलों और दुर्गम इलाकों में हर चुनौती का सामना किया। अनेक वीर जवान कर्तव्य निर्वहन के दौरान शहीद हुए, लेकिन उनका बलिदान उनके साथियों के संकल्प को और मजबूत करता गया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ पुलिस, जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), बस्तर फाइटर्स, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल सहित नक्सलवाद के विरुद्ध अभियान में शामिल सभी सुरक्षा बलों के जवानों के शौर्य और समर्पण को नमन करते हुए कहा कि उनके साहस और पराक्रम पर पूरे छत्तीसगढ़ को गर्व है।

अब शांति, विश्वास और विकास की नई पहचान गढ़ रहा बस्तर

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुरक्षा बलों के साहस और बलिदान से स्थापित हो रही शांति के साथ अब बस्तर में विकास और खुशहाली के नए द्वार खुल रहे हैं। जिन क्षेत्रों में कभी भय और हिंसा का वातावरण था, वहां आज सड़कें बन रही हैं, बिजली पहुंच रही है, स्कूल और स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित हो रही हैं तथा शासन की योजनाएं अंतिम छोर के गांवों तक पहुंच रही हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की द्वािनियद नेछनराह्ण योजना के माध्यम से दूरस्थ और लंबे समय तक विकास से वंचित रहे गांवों तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और मूलभूत सुविधाओं को पहुंचाया जा रहा है। सरकार का संकल्प है कि बस्तर का कोई भी गांव और कोई भी परिवार विकास की मुख्यधारा से वंचित न रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बस्तर के बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं और युवाओं को खेल, कौशल विकास तथा रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं। बस्तर

ओलंपिक जैसे आयोजनों के माध्यम से गांव-गांव की खेल प्रतिभाएं सामने आ रही हैं, वहीं बस्तर पंडुम इस अंचल की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, कला और परंपराओं को नई पहचान दे रहा है।

उन्होंने कहा कि बस्तर की पहचान अब भय और हिंसा से नहीं, बल्कि उसकी समृद्ध संस्कृति, प्राकृतिक सौंदर्य, प्रतिभाशाली युवाओं, पर्यटन और विकास की अपार संभावनाओं से और अधिक मजबूत होगी। हमारा संकल्प है कि बस्तर के प्रत्येक युवा के हाथ में अवसर हो और प्रत्येक परिवार के जीवन में विकास और खुशहाली आए।

शहीदों के सपनों का बस्तर बनाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज बस्तर में दिखाई दे रहे सकारात्मक परिवर्तन की नींव हमारे शहीद जवानों के त्याग और बलिदान पर टिकी है। उन्होंने केवल वर्तमान की सुरक्षा के लिए नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल और सुरक्षित भविष्य के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया।

उन्होंने कहा कि शहीदों के सपनों के अनुरूप शांतिपूर्ण, सुरक्षित, समृद्ध और विकसित बस्तर का निर्माण करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि जिस शांति के लिए हमारे जवानों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया, वह शांति स्थायी बने और विकास तथा खुशहाली का लाभ बस्तर के प्रत्येक परिवार तक पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नई पीढ़ी को हमारे वीर जवानों के जीवन, संघर्ष और बलिदान से परिचित कराना भी आवश्यक है। राष्ट्र और समाज की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले इन वीर सपूतों का जीवन युवाओं में देशप्रेम, कर्तव्यनिष्ठा और सेवा की भावना जगृत करता रहेगा।

द हिन्दू फाउंडेशन की पहल सशहनीय

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए द हिन्दू फाउंडेशन, नागपुर की सहायता करते हुए कहा कि शहीद परिवारों के प्रति सम्मान और संवेदना व्यक्त करने की यह पहल समाज की प्रेरणा देने वाली है। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन द्वारा देशभर में यात्रा कर 800 से अधिक शहीद परिवारों तक पहुंचने का प्रयास किया गया है। यह उन परिवारों के प्रति समाज की कृतज्ञता की सशक्त अभिव्यक्ति है, जिन्होंने राष्ट्र और समाज की सुरक्षा के लिए अपने प्रियजनों का बलिदान दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शौर्याजलि केवल अमर शहीदों को श्रद्धांजलि देने का अवसर नहीं है, बल्कि उनके अधूरे सपनों को पूरा करने और उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प लेने का भी अवसर है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी अमर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि हमारे वीर जवानों का बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाएगा। उनके शौर्य और त्याग से बस्तर

विष्णु देव साय के सुशासन में संवेदनशील शासन

विशेष लेख

लोकतंत्र का वास्तविक शक्ति जनता का विश्वास है और सुशासन उस विश्वास को मजबूत करने का सबसे प्रभावी माध्यम। जब शासन की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती हैं, समस्याओं का समयबद्ध समाधान होता है और आम नागरिक को अपने अधिकारों एवं सुविधाओं के लिए अनावश्यक भटकना नहीं पड़ता, तभी सुशासन की अवधारणा सार्थक होती है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में इसी भावना के अनुरूप संवेदनशील, पारदर्शी और जनोन्मुखी प्रशासन को प्राथमिकता दी जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासवादी के मूलमंत्र को आत्मसात करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। शासन की कार्यप्रणाली को अधिक सरल, सुलभ और जवाबदेह बनाने के प्रयासों से प्रशासन और आम नागरिकों के बीच संवाद तथा विश्वास का नया वातावरण विकसित हो रहा है।

सुशासन की पहली शर्त है कि आम नागरिक की बात सुनी जाए और उसकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी पहल हो। मुख्यमंत्री श्री

विष्णु देव साय ने जनसमस्याओं के निराकरण को शासन की प्राथमिकताओं में स्थान दिया है। नागरिकों को अपनी समस्याएं, शिकायतें और सुझाव सीधे शासन-प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर मिल रहा है।

जिला और विकासखंड स्तर पर आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर भी प्रशासन को नागरिकों के निकट लाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहे हैं। इन शिविरों में विभिन्न विभागों की सेवाओं और योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने तथा प्राप्त आवेदनों के निराकरण की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

डिजिटल सुशासन से आसान हो रही शासकीय सेवाएं

बदलते समय में तकनीक सुशासन का सशक्त आधार बनकर उभरी है। छत्तीसगढ़ में डिजिटल माध्यमों से शासकीय सेवाओं को अधिक सुलभ, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। सेवा सेतु पोर्टल और डिजिटल सेवा केन्द्रों के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न विभागों की सेवाओं के लिए आवेदन करने और प्रक्रियाओं की जानकारी प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इससे विशेष रूप से

सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की पहल से साकार हो रहा विकसित

छत्तीसगढ़ का संकल्प

ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों के लिए शासकीय सेवाओं तक पहुंच आसान बनाने में सहायता मिल रही है। डिजिटल व्यवस्थाओं का महत्व केवल ऑनलाइन आवेदन तक सीमित नहीं है। इनका उद्देश्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाना, अनावश्यक विलंब कम करना और नागरिकों को सेवाओं की स्थिति की जानकारी उपलब्ध कराना भी है। तकनीक आधारित प्रशासन से शासन और जनता के बीच विश्वास का संबंध और अधिक मजबूत करने की संभावनाएं बढ़ी हैं।

अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ



पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं, श्रमिकों और जनजातीय समुदायों के कल्याण को विशेष प्राथमिकता दे रही है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। यह सहायता आवश्यकताओं, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और छोटी बचत जैसे कार्यों में महिलाओं के लिए उपयोगी साबित हो रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से जरूरतमंद

परिवारों के पक्के घर का सपना साकार करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। किसानों के लिए संचालित योजनाएं, स्वास्थ्य सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण आजीविका से जुड़ी पहलें भी नागरिकों के जीवन में आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा का आधार बन रही हैं।

इन योजनाओं की वास्तविक सफलता उन परिवारों के जीवन में दिखाई देती है, जिन्हें शासन की सहायता से अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने और बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।

शिकायत निवारण से जवाबदेह प्रशासन की ओर

सुशासन का अर्थ केवल योजनाओं का संचालन नहीं, बल्कि नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से सुनना और उनका समाधान सुनिश्चित करना भी है। इसी दिशा में सीएम हेल्पलाइन 1076 नागरिकों को शिकायत दर्ज कराने और उसके निराकरण की स्थिति जानने का माध्यम उपलब्ध कराती है। नगरीय क्षेत्रों में निदान-1100 के माध्यम से साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी शिकायतों के समाधान की व्यवस्था विकसित की गई है। इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य

शिकायत निवारण में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। जब नागरिक अपनी समस्या दर्ज कराने के साथ उसकी प्रगति भी जान सकते हैं, तब प्रशासन के प्रति उनका भरोसा मजबूत होता है।

गांव से शहर तक विकास, हर वर्ग के कल्याण का प्रयास

छत्तीसगढ़ की बड़ी आबादी ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में निवास करती है। इसलिए सुशासन की सफलता का महत्वपूर्ण आधार दूरस्थ अंचलों तक शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, बिजली और अन्य आवश्यक सुविधाओं की पहुंच है। राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण विकास, जनजातीय कल्याण, महिला सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन से जुड़ी योजनाओं के माध्यम से विकास को अधिक समावेशी बनाने का प्रयास किया जा रहा है। विशेष रूप से बस्तर और सरगुजा जैसे अंचलों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार तथा स्थानीय समुदायों के सशक्तिकरण का महत्व और भी बढ़ जाता है।

सुशासन की वास्तविक पहचान तब बनती है, जब दूरस्थ गांव में रहने वाले नागरिक को भी वही सम्मान, बुद्धि और अवसर प्राप्त हों, जो शहरों में उपलब्ध हैं।

सफलता की कहानी

पीलादाई को मिल रहा आर्थिक संबल

छत्तीसगढ़ शासन की महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ ही उनके दैनिक जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता से महिलाओं को परिवार की छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने में सहायता मिल रहा है।

योजना से लाभान्वित हो रही हैं। उन्हें महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह एक हजार रुपये की राशि प्राप्त होती है। वे इस राशि का उपयोग बच्चों की देखभाल, स्वास्थ्य खर्चों, छोटी-मोटी परेशानियों के समाधान और जरूरत पड़ने पर कृषि संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में करती हैं। श्रीमती पीलादाई बघेल ने बताया कि घर-परिवार में अक्सर ऐसी

छोटी-छोटी जरूरतें सामने आती रहती हैं, जिनके लिए तत्काल पैसों की जरूरत होती है। ऐसे समय में योजना के तहत हर महीने मिलने वाली एक हजार रुपये की राशि उनके लिए आर्थिक संबल बनती है। इससे उन्हें अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता मिलती है और परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने में सहायता मिलती है। महतारी वंदन योजना महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और परिवार की आर्थिक व्यवस्था में उनकी भागीदारी बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। श्रीमती पीलादाई बघेल ने इस सहयोग के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए शासन की इस जनकल्याणकारी योजना की सराहना की।

राशिफल

मेघ राशि - आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी बात को महत्व मिल सकता है। व्यापार में विस्तार की योजना आगे बढ़ेगी। जल्दबाजी में कोई बड़ा फैसला न लें।
शुभ संकेत: सफलता और मान-सम्मान
वृषभ राशि - अचानक किसी काम से लाभ मिलने की संभावना है। नौकरी में पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने का अवसर मिल सकता है। लेन-देन में सतर्क रहें और अनावश्यक खर्च से बचें। स्वास्थ्य के लिए आराम जरूरी है।
शुभ संकेत: धन और करियर में प्रगति
मिथुन राशि - कोई अच्छी खबर मिल सकती है। रुके हुए कार्यों को आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा। मित्रों और सहकर्मियों से बातचीत लाभदायक रहेगी। आर्थिक मामलों में सौच-समझकर निर्णय लें।
शुभ संकेत: नई संभावनाएं
परिवार में सुख-शांति बना रह सकती है। घर में जुड़ी किसी योजना में प्रगति होगी। भावनाओं में बहकर कोई फैसला लेने से बचें।
शुभ संकेत: पारिवारिक सुख

सिंह राशि - अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सकता है। नौकरी और कारोबार में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। जोखिम भरे निवेश से बचें और किसी भी निर्णय से पहले उसके परिणामों पर विचार करें।
शुभ संकेत: नेतृत्व और पहचान
ज्येष्ठ राशि - जीवनसाथी और परिवार का सहयोग मिलेगा। अधूरे काम पूरे करने में सफलता मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में धैर्य बनाए रखें। आपसी बातचीत से पुराने मतभेद दूर हो सकते हैं।
शुभ संकेत: रिश्तों में मधुरता
तुला राशि - आज आर्थिक बजट पर ध्यान देना जरूरी होगा। नौकरी में संतुलित तरीके से काम करें। साझेदारी के मामलों में स्पष्टता रखें। परिवार के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा।
शुभ संकेत: संतुलन और समझदारी
वृश्चिक राशि - कार्यक्षेत्र में कुछ नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। गुस्से और जल्दबाजी पर नियंत्रण रखें। पुराने विवादों को बातचीत से सुलझाने का प्रयास करें।
शुभ संकेत: धैर्य से सफलता

धनु राशि - नई योजनाओं पर काम शुरू करने का अवसर मिल सकता है। वाहन या यात्रा पर खर्च बढ़ सकता है। नौकरी और व्यापार में मेहनत का लाभ मिलने की उम्मीद है। परिवार के साथ तालमेल बनाए रखें।
शुभ संकेत: नई योजनाओं में प्रगति
आर्थिक लाभ के अवसर बन सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना हो सकती है। पुराने काम पूरे करने में सफलता मिलेगी। परिवार के वरिष्ठ सदस्यों की सलाह उपयोगी साबित हो सकती है।
शुभ संकेत: धन लाभ और प्रतिष्ठा
सामाजिक संपर्कों से लाभ मिल सकता है। किसी नई योजना पर विचार करें। खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी है। कामकाज में स्थिरता बनाए रखें और दूसरों की बातों को ध्यान से सुनें।
शुभ संकेत: नए अवसर
व्यापार में लाभ और कार्यक्षेत्र में सहयोग मिलने के संकेत हैं। परिवार में खुशियों का माहौल रह सकता है।
शुभ संकेत: कारोबार और रिश्तों में सुधार

अब स्वागत में गुलदस्ता नहीं भेंट में मिलेगा मुनगा पौधा



पोषण क्रांति की ओर बढ़ रहा धमतरी जिला

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

धमतरी में कुपोषण मुक्ति और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अनूठी और अनुकरणीय पहल की शुरुआत हुई है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवागत हर घर मुनगा, घर-घर मुनगा मुहिम को अब एक जनआंदोलन का रूप दिया जा रहा है, जिसके तहत धमतरी जिले में आयोजित होने वाले सभी विभागीय कार्यक्रमों में अतिथियों के स्वागत के लिए पारंपरिक पुष्पगुच्छ के स्थान पर मुनगा यानी सहजन का पौधा भेंट किए जाने का निर्णय लिया गया है। स्वागत की इस औपचारिकता को बदलकर पौधा भेंट करने की यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण और पौधारोपण को बढ़ावा देगी, बल्कि स्वस्थ समाज और पोषणयुक्त परिवारों के निर्माण की दिशा में सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश भी जन-जन तक पहुंचाएगी।

इस अभियान को धरातल पर प्रभावी ढंग से उतारने के लिए जिला स्तर पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुनगा पौधों के रोपण, उनकी ऑनलाइन प्रविष्टि, भौतिक सत्यापन और उनके पोषण संबंधी महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। अभियान में पूरी पारदर्शिता और सटीक डेटाबेस तैयार करने के लिए तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान सभी पर्यवेक्षकों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे संबंधित कार्यक्रमों के माध्यम से सत्यापन सुनिश्चित करें। इस डिजिटल मॉनिटरिंग का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पौधारोपण केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि प्रत्येक घर तक मुनगा की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवाकाल राष्ट्र निर्माण को समर्पित-राजेश

सेवा के 25 वर्ष: जनकल्याण, सुशासन और विकसित भारत के संकल्प की प्रेरक यात्रा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भारतीय संस्कृति में सेवा केवल कर्तव्य नहीं, बल्कि जीवन का सर्वोच्च संस्कार है। सेवा की यही भावना व्यक्ति को स्वयं से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र के कल्याण के लिए समर्पित होने की प्रेरणा देती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष इसी सेवा, समर्पण, सुशासन और राष्ट्र निर्माण की प्रेरक यात्रा के प्रतीक हैं। 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जनसेवा का दायित्व संभालने वाले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने सार्वजनिक जीवन के इन 25 वर्षों में जनकल्याण और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री

तक की उनकी यात्रा विकास, दृढ़ संकल्प और जनविश्वास की मिसाल रही है। उन्होंने शासन को केवल प्रशासनिक व्यवस्था नहीं, बल्कि गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं और समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम बनाया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में बीते वर्षों में देश ने जनकल्याण और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना से करोड़ों परिवारों को पक्के घर का सहारा मिला है। उज्ज्वला योजना ने महिलाओं को धुएँ से राहत दिलाई, आयुष्मान भारत ने जरूरतमंद परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की और स्वच्छ भारत मिशन ने स्वच्छता के साथ महिलाओं के सम्मान एवं



गरिमा को मजबूत किया। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना से नागरिकों को खाद्य सुरक्षा का लाभ मिल रहा है।

जनधन योजना, डिजिटल इंडिया और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण ने सरकारी योजनाओं की पहुंच को अधिक

सरल और पारदर्शी बनाया है। किसान सम्मान निधि, मृदा योजना, स्टार्टअप इंडिया और कोशल विकास जैसी पहलों ने किसानों, युवाओं और उद्यमियों को नए अवसर प्रदान किए हैं। इन प्रयासों का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने को प्राथमिकता दी गई है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विकास के साथ भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण को भी नई दिशा दी है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम का विकास और देश के प्रमुख तीर्थस्थलों पर सुविधाओं का विस्तार भारतीय संस्कृति के गौरव को नई पहचान दे रहा है। धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन के विस्तार से स्थानीय रोजगार, हस्तशिल्प और

आजीविका के नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं।

छत्तीसगढ़ भी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री श्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। प्रदेश में पर्यटन स्थलों के विकास, जनजातीय संस्कृति के संरक्षण, धार्मिक स्थलों पर सुविधाओं के विस्तार और स्थानीय कलाकारों एवं शिल्पकारों को प्रोत्साहन देने के प्रयास किए जा रहे हैं। हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की महत्वपूर्ण आधारशिला है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर छत्तीसगढ़ में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित सेवा संकल्प अभियान ने

जनसेवा और जनभागीदारी को नई ऊर्जा प्रदान की है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित इस अभियान के अंतर्गत 12 प्रमुख पहलों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को सेवा और राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों से जोड़ने का प्रयास किया गया। हठआशीर्वाद का दिया ने सेवा, आभार और सकारात्मकता का संदेश दिया, वहीं हमारे सपनों का भारत-चित्र सेवा ने बच्चों और विद्यार्थियों को विकसित भारत की अपनी कल्पनाओं को अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान किया। नमो सेवा-अनकही कहानियाँ और सेवा के रंग, राष्ट्र के संग जैसी पहलों ने कला, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से सेवा की भावना को जन-जन तक पहुंचाया।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने ग्रामीणों के बीच बैठकर किया सीधा संवाद

ग्राम लोहझरी के विकास के लिए 20.20 लाख रुपए की घोषणा की

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा आज कबीरधाम जिले के ग्राम लोहझरी पहुंचे, जहां उन्होंने अपने चिर-परिचित सहज अंदाज में ग्रामीणों के बीच जमीन में बैठकर उनकी मांग, समस्याएं सुनीं और गांव की जरूरतों पर चर्चा की। महामाया मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना के बाद उन्होंने मंदिर परिसर में ही ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इस दौरान ग्रामीणों ने गांव से जुड़ी मांगें रखीं, जिन पर उपमुख्यमंत्री ने त्वरित पहल करते हुए विभिन्न विकास कार्यों के लिए कुल 20 लाख 20 हजार रुपए की घोषणा की।



दुर्गा मंदिर में रंगमंच निर्माण के लिए 2 लाख 60 हजार रुपए, हनुमान मंदिर के पास रंगमंच निर्माण के लिए 2 लाख 60 हजार रुपए तथा महामाया मंदिर में दो मंजों के निर्माण के लिए 2 लाख 60 हजार रुपए देने की घोषणा की। इस तरह गांव में विभिन्न विकास कार्यों के लिए कुल 20 लाख 20 हजार रुपए की सीमागत दी गई। इन कार्यों से आवागमन की

सुविधा बेहतर होने के साथ धार्मिक और सामाजिक आयोजनों के लिए भी सुविधाएं विकसित होंगी।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए नियमित समीक्षा जरूरी है। उन्होंने जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य, सरपंच, ठेकेदार और अन्य जनप्रतिनिधियों को हर

महीने एक साथ बैठकर कार्यों की प्रगति पर चर्चा करने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्थानीय लोगों की भागीदारी और निगरानी से निर्माण कार्यों को टिकाऊ बनाया जा सकता है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बताया कि कवर्धा क्षेत्र में एक हजार करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्य चल रहे हैं। इनमें भोरमदेव कारिडोर, मेडिकल कॉलेज और रायपुर-बिलासपुर मार्ग का चौड़ीकरण जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं। इनकी प्रगति और गुणवत्ता की निगरानी के लिए गठित टीमें हर महीने ने कहा कि गांवों के विकास और शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में पंच-सरपंचों की महत्वपूर्ण भूमिका है। जनप्रतिनिधि ग्रामीणों की जरूरतों को समझकर विकास की प्राथमिकताएं तय करें और योजनाओं के क्रियान्वयन में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

ग्रामीण विकास में पंच सरपंचों की सक्रिय भागीदारी जरूरी- केदार कश्यप



नारायणपुर में जिला स्तरीय पंच-सरपंच प्रशिक्षण, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सेवा संकल्प अभियान के अंतिम दिवस नारायणपुर में आयोजित जिला स्तरीय पंच-सरपंच प्रशिक्षण एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम में ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि गांवों के विकास और शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में पंच-सरपंचों की महत्वपूर्ण भूमिका है। जनप्रतिनिधि ग्रामीणों की जरूरतों को समझकर विकास की प्राथमिकताएं तय करें और योजनाओं के क्रियान्वयन में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

नारायणपुर के सिनेमा ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में वन मंत्री श्री कश्यप ने विकसित भारत जी राम जी योजना की सफलता के लिए पंचायत प्रतिनिधियों से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पंच-सरपंच गांवों में जाकर लोगों को योजनाओं के उद्देश्य और लाभ की जानकारी दें। पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए शासन के साथ समन्वय बनाकर काम करें। उन्होंने कहा कि जनविश्वास और जनभागीदारी से ही ग्रामीण विकास की योजनाओं के बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

श्री कश्यप ने पंचायतों में स्वीकृत

निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर समय-सीमा में पूरा करने की बात कही। उन्होंने कहा कि स्कूल भवन, आंगनबाड़ी केंद्र, छात्रावास, सामुदायिक भवन, बालिका शौचालय, मुक्तिधाम, सड़क, पुल-पुलिया और महतारी सदन जैसे जनोपयोगी कार्यों का समय सीमा में पूर्णता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि पंचायत प्रतिनिधि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति की नियमित निगरानी करें, ताकि ग्रामीणों को जल्द बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

स्थानीय संसाधनों पर आधारित आजीविका गतिविधियों को प्रोत्साहित करने पर जोर

वन मंत्री ने ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने के लिए स्थानीय संसाधनों पर आधारित आजीविका गतिविधियों को प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने मछली पालन और बतख पालन के लिए क्षेत्र की संभावनाओं के अनुरूप कार्ययोजना तैयार करने तथा पात्र हितग्राहियों को इन गतिविधियों से जोड़ने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के अध्यक्ष श्री रूपसाय सलाम, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नारायण मरकाम, नगर पालिका अध्यक्ष श्री इंद्र प्रसाद बघेल, कलेक्टर श्रीमती नम्रता जैन, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री चित्रकांत चाली ठाकुर सहित पंचायत प्रतिनिधि और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

समान नागरिक संहिता पर जगदलपुर में उच्च स्तरीय समिति की बैठक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता को लागू करने के लिए तथा इसका प्रभावी प्रारूप तैयार करने की दिशा में गठित उच्च स्तरीय समिति द्वारा बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर स्थित जिला कलेक्टरेट के प्रेरणा हॉल में शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण बैठक एवं समूह चर्चा का आयोजन किया गया। इस परिचर में समान नागरिक संहिता समिति के सदस्य श्री एमके राऊत, सदस्य श्री मोहन सिंह पवार, श्रीमती ज्योति रानी सिंह, समिति के सचिव श्याम धावड़े तथा कमिश्नर डोमन सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान जगदलपुर और कोडगांव जिले के प्रतिनिधियों, राजनीतिक दलों, सामाजिक व



धार्मिक संगठनों के प्रमुखों, शिक्षाविदों तथा विभिन्न आयोगों व निगमों के पदाधिकारियों ने समान नागरिक संहिता के विभिन्न प्रावधानों और उनके सामाजिक प्रभावों पर व्यापक मंथन किया। इस विमर्श के केंद्र में मुख्य रूप से चार प्रमुख विषय-विवाद और तलाक, उत्तराधिकार एवं विरासत, भरण-पोषण और सहायता तथा लिव-इन

संबंध शामिल रहे। सम्पूर्ण कार्यवाही का विधिवत दस्तावेजीकरण, वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी सुनिश्चित की गई, जिससे प्राप्त सभी सुझावों को राज्य स्तर पर तैयार होने वाले ड्राफ्ट में शामिल किया जा सके। इसके साथ ही आम नागरिकों से सुझाव आमंत्रित करने हेतु वेब पोर्टल एवं ईमेल भी जारी किया गया है।

समय पर जांच और नियमित उपचार से हेमबती ने कुष्ठरोग को दी मात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

समय पर बीमारी की पहचान और नियमित उपचार से कुष्ठ रोग को पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। बस्तर जिले के विकासखंड तोकापाल अंतर्गत ग्राम छपरभानपुरी निवासी हेमबती ने इसे सच कर दिखाया है। स्वास्थ्य विभाग के मार्गदर्शन और 12 महीने तक नियमित उपचार से उन्होंने कुष्ठ रोग को मात दी है। उनकी यह कहानी बताती है कि जागरूकता और समय पर चिकित्सकीय सहायता से गंभीर बीमारियों का भी सफल उपचार संभव है।

हेमबती के हाथों और गले पर कुछ समय पहले त्वचा के सामान्य रंग से अलग दाग दिखाई देने लगे थे। शुरुआत में किसी प्रकार की परेशानी



नहीं होने के कारण उन्होंने इस पर विशेष ध्यान नहीं दिया। धीरे-धीरे प्रभावित हिस्सों में सुनपन और हाथ-पैरों की नसों में झनझनाहट महसूस होने लगी। लक्षण बढ़ने पर उन्होंने अपने गांव के आयुष्मान आरोग्य

मंदिर पहुंचकर स्वास्थ्य जांच कराई। आयुष्मान आरोग्य मंदिर में स्वास्थ्य कार्यकर्ता और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) ने प्राथमिक जांच के बाद कुष्ठ रोग की आशंका जताते हुए उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तोकापाल भेजा। यहां चिकित्सकों ने त्वचा, नसों और अन्य आवश्यक जांच के बाद कुष्ठ रोग की पुष्टि की। स्वास्थ्य अधिकारियों ने हेमबती को बीमारी के संबंध में जानकारी देते हुए नियमित उपचार से स्वस्थ होने का भरोसा दिलाया। चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार हेमबती ने लगातार 12 महीने तक निर्धारित दवाओं का सेवन किया और समय-समय पर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर जांच कराती रही।

शिखिर कोण्डगांव सेवा संकल्प अभियान के समापन, 15 लोगों का मौके पर मेडिकल प्रमाण पत्र

41 दिव्यांगजनों को मिला सहायक उपकरण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सेवा संकल्प अभियान के अंतिम दिन शनिवार को जिला कार्यालय परिसर में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोण्डगांव विधायक सुश्री लता उडेंडी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर विकलांग सहायता समिति जयपुर के द्वारा एनएसई फाउंडेशन सीएसआर से 41 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराए गए। इनमें 15 लोगों का मौके पर मेडिकल सर्टिफिकेट बना कर उपकरण वितरण किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विधायक सुश्री लता उडेंडी और कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने दिव्यांगजनों से आत्मीय संवाद किया तथा उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को समझा। उन्होंने कहा कि शासन दिव्यांगजनों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने और



उनके जीवन को सुगम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। विधायक सुश्री लता उडेंडी ने संबोधित

करते हुए कहा कि दिव्यांगजनों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े, इसके लिए सरकार लगातार प्रयास कर

रही है। शासन द्वारा सेवेदनशीलता के साथ दिव्यांगजनों को सामाजिक सुरक्षा और आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने दिव्यांगजनों से अपील की कि वे शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी अन्य जरूरतमंद लोगों तक भी पहुंचाएं। साथ ही उन्होंने आयुष्मान भारत योजना के लाभों की जानकारी देते हुए पात्र हितग्राहियों से आयुष्मान कार्ड बनवाकर योजना का लाभ लेने की अपील की।

कोडगांव कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के अंतिम दिन दिव्यांगजनों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। सहायक उपकरणों के माध्यम से दिव्यांगजनों की दैनिक गतिविधियों को सुगम बनाने और उनकी जरूरतों के अनुरूप सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों के निराकरण को लेकर शासन गंभीर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नागरिकों द्वारा सीएम हेल्पलाइन-1076 पर दर्ज कराई गई शिकायतों के समाधान को लेकर राज्य शासन बेहद गंभीर है। पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का संबंधित विभागों द्वारा सक्रियता और गंभीरता से निराकरण किया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग ने सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों के अस्तंतेषप्रद समाधान और लापरवाही पर 13 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इनमें तीन अधीक्षक अभियंता, पांच कार्यपालन अभियंता और पांच अनुविभागीय अधिकारी शामिल हैं।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों को बिना सारगर्भित टीप के बंद किए जाने के कारण लोक निर्माण विभाग द्वारा अधिकारियों के विरुद्ध ये कार्रवाई की गई है। सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर

पीडब्लूडी के 13 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस

विगत दो महीनों अग्रस्त और सितंबर माह में लोक निर्माण विभाग से संबंधित शिकायतों की समीक्षा में पाया गया कि एल-1, एल-2 और एल-3 स्तर पर शिकायतों को ऐसी टीप के साथ बंद किया गया है, जो शिकायत का समाधान नहीं दर्शाती है।

विभाग ने एल-1 स्तर पर शिकायतों के अस्तंतेषप्रद समाधान पर राष्ट्रीय राजमार्ग उप संभाग बिलासपुर के अनुविभागीय अधिकारी अतुल राज पेंगवार, बेमेतरा उप संभाग के अनुविभागीय अधिकारी राजेश कुमार

बाजपेयी, पेंड्रा उप संभाग के अनुविभागीय अधिकारी जगदीश प्रसाद, सेतु उप संभाग दुर्ग के अनुविभागीय अधिकारी श्री अशोक कुमार हरियाले और पाटन उप संभाग की अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती सोनल डालेन्द्र को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

एल-2 स्तर पर शिकायतों के उचित निराकरण नहीं होने पर विभाग द्वारा बेमेतरा संभाग के कार्यपालन अभियंता केशव प्रसाद लहरे, कोरबा संभाग के कार्यपालन अभियंता घासीराम जांगड़े, राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग बिलासपुर के कार्यपालन अभियंता रोशन कुमार साहू, सारंगढ़ संभाग के कार्यपालन अभियंता प्यारे लाल पैकरा और कांकेर संभाग के कार्यपालन अभियंता प्रभाज नंद को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।



ब्यूटी बिगाड़े ब्यूटी प्रोडक्ट्स का ओवर यूज

अति हर चीज की बुरी होती है, यह बात ब्यूटी प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल पर भी लागू होती है। सुंदर दिखने के लिए बहुत सारे ऐसे ब्यूटी प्रोडक्ट्स हैं जिनका संतुलित इस्तेमाल हमें फायदा पहुंचाता है लेकिन इसका ज्यादा इस्तेमाल फायदे से कई गुना ज्यादा नुकसान कर सकता है। ऐसे कौन से ब्यूटी प्रोडक्ट्स हैं, आइये जानें-



- **प्राइमर** : अधिकतर प्राइमर वाटर बेस्ड होते हैं। उनमें से ज्यादातर सिलिकॉन के बने होते हैं। इनका चेहरे पर अगर ज्यादा इस्तेमाल किया जाए तो यह हमारे रोमकूपों को बंद कर सकता है। चेहरे पर प्राइमर को लगातार कई घंटे तक लगाकर रखना, रात में रिमूव न करना, इससे ब्रेक आउट्स हो सकते हैं। अपने प्राइमर का इस्तेमाल उन दिनों कम करें जब आपको इसकी ज्यादा जरूरत होती है। अगर इस्तेमाल करते भी हैं तो सोने से पहले इसे अपने चेहरे से अच्छी तरह उतार लें।
- **पेट्रोलियम जैली** : पेट्रोलियम जैली का

इस्तेमाल कॉस्मेटिक्स के रूप में कई तरह से किया जाता है। फटे होंठों को यह सही करती है और इससे मेकअप भी रिमूव किया जाता है। पेट्रोलियम जैली हमारी त्वचा के भीतर समाहित नहीं होती। यह हमारी त्वचा में नमी को समाहित करने में बैरियर का भी काम करती है। यह दूसरे किसी भी मॉइश्चराइजर को भी काम नहीं करने देती और त्वचा को ज्यादा रूखा बनाती है। इसलिए त्वचा के ज्यादा रूखे होने पर ही इसका इस्तेमाल करना चाहिए, वो भी तब जब रूखी त्वचा के कारण हमें इरीटेशन हो।

- **लिविड लिपस्टिक** : लिविड लिपस्टिक सुखने के बाद हमारे होंठों को रूखा बना देती है। ऐसी लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों पर मॉइश्चराइजिंग या कोकोनट ऑयल का इस्तेमाल लिपस्टिक को रिमूव करने के बाद करें। अगर इसे बहुत लंबे समय तक लगाकर रखते हैं तो एक या दो दिन के ब्रेक के बाद लगाएं और होंठों को नम बनाये रखने के लिए बाम का इस्तेमाल करें।

ठंड के मौसम में तेजी से कम करें अपना वजन



वजन घटाना आसान काम नहीं है और लोगों को अक्सर ही वेट लॉस करने के लिए तरह-तरह की जटिल योजनाएं पड़ जाती हैं। कई बार तो व्यक्ति स्ट्रिक्ट डाइट भी अपना लेता है मगर वजन कम होने का नाम नहीं लेता। (सूजन को रोकने का काम करने से हमारे शरीर में विटामिन डी की भी कमी हो जाती है और इन सभी की वजह से शरीर का मेटाबोलिज्म भी प्रभावित होता है। सर्दियों में कुछ छोटी-छोटी बातों का खयाल रखा जाए तो वजन घटाना आसान हो जाता है। इससे शरीर को चर्बी तो कम होती ही है, साथ ही बांझ टोंड होने लगती है।

लॉस ड्रिंक्स को पीने के बाद आधे घंटे तक कुछ खाएं या पिएं नहीं।
वॉक करना है जरूरी : सर्दियों में बिस्तर से उठने का भी मन नहीं करता तो ऐसे में एक्सरसाइज करना तो बहुत बड़ा काम लगने लगता है। लेकिन, थोड़ी बहुत वॉक करना बेहद फायदेमंद होता है। इससे शरीर को शोष में आने में मदद मिलती है। वॉक करने पर बांझ टोंड होने लगती है। आप कुछ खाने के बाद 20 मिनट वॉक कर सकते हैं या फिर रात में एक घंटे तक वॉक जरूर करें। वेट लॉस होने लगेगा।
पोर्शन कंट्रोल करें : पोर्शन कंट्रोल वजन घटाने का सबसे बढ़िया तरीका है। आप तीन बड़े मील लें और खुद को भूखा रखने के बजाय छोटी-छोटी मात्रा में खाना खाएं। यह आपको कुछ ज्यादा वक्त के लिए पेट भरा हुआ जैसा महसूस कराएगा, जिससे आप कुछ कम खा पाएंगे। यह कोशिश भी करें कि आप अपना खाना रिस्क न करें। खाने में संयम बरतें और आपकी प्लेट प्रोटीन और हेल्दी फूड से भरी हुई हो तो बेहतर होगा।
मौसमी फल और सब्जियाँ : का सेवन : सर्दियों में वजन और वेली फैट को निवृत्ति रखने के लिए अधिक मात्रा में मौसमी फल और सब्जियों का सेवन करना चाहिए। इनमें कम मात्रा में कैलोरी लेकिन अधिक मात्रा में फाइबर पाए जाते हैं।

लकड़ियों की राख से बनाएं खाद



सर्दी के दिनों में घर में या खुले स्थान पर अगर तापने के लिए लकड़ियाँ जलायी जाती हैं तो उसकी बची राख का उपयोग पौधों में किया जा सकता है। इन्हें पूरे साल गार्डन में फर्टिलाइजर के रूप में डाला जाता है। यदि आप राख ठंडी होने के बाद उसका तुरंत इस्तेमाल नहीं करते तो प्लास्टिक के बैग में बंद करके बाल्टी में किसी सूखे स्थान पर स्टोर करके इसे रखा जा सकता है। लकड़ी के जलावन की इस खाद का क्या महत्व है?

पौष्टिकता से भरपूर : घर में चूल्हे की लकड़ी की राख या बाहर जलायी गई लकड़ियों की राख में 5 से 10 प्रतिशत पोटाश की मात्रा होती है। फलदार छोटे पौधों के लिए यह पोषक तत्व से भरपूर ऐसी खाद होती है जिससे उन्हें पर्याप्त पोषण मिलता है।

सही चयन : कोयला या दूसरे किसी जलावन से बनी राख की तुलना में लकड़ियों की राख ज्यादा उपयोगी होती है। कोयले की राख में खतरनाक टॉक्सिंस होते हैं जो पौधों की वृद्धि पर बुरा असर डालते हैं। कोयले की राख का इस्तेमाल गार्डन में चिनाई के काम में किया जा सकता है।

बाउंड्री के पौधे : अपने बगीचे में लॉन की बाउंड्री के लिए लगाये जाने वाले पौधों के लिए लकड़ी की जलावन से तैयार वह खाद उपयोगी होती है। इन्हें पौधों के आसपास गोलाई में छिड़क देना चाहिए। इसका इस्तेमाल करने से पहले इसे छान लें और कंकड़ और मोटे कोयलों को अलग करके उसे जमीन के नीचे डालकर उसके ऊपर खाद डालें।

नरम पौधों का बचाव : लकड़ी की जलावन के सख्त और मोटे टुकड़ों को पतियों और टहनियों के साथ मिलाकर छोटे पौधे के लिए सुरक्षा कवच तैयार किया जा सकता है, जो उन्हें सर्दी से बचा सकते हैं।

कंपोस्ट : लकड़ियों की राख का इस्तेमाल कंपोस्ट की खाद बनाने में भी किया जाता है, इसमें पोटाश और दूसरे कई ऐसे पोषक तत्व होते हैं, जो कंपोस्ट के डि-कंपोस्ट होने की प्रक्रिया को तीव्र करते हैं।

- **नाखूनों की मजबूती के लिए** : नाखूनों को मजबूती देने के लिए नेल स्ट्रेथेन्स का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन इसका ज्यादा इस्तेमाल आपके नाखूनों को ज्यादा भुरभुरा बना देता है, जिसके कारण नाखून जल्दी टूट जाते हैं। अगर आप किसी नेल स्ट्रेथेन का इस्तेमाल कर रहे हैं और अपने नाखूनों के टेक्सचर में कोई बदलाव देखते हैं तो इसका मतलब है कि आपको थोड़े

- दिन ब्रेक देने की जरूरत है। उन्हें ऐसे ही छोड़ दें। सांस लेने दें, उसे अच्छी तरह साफ करें और थोड़े दिन के बाद इन्हें अपने आप मजबूती मिल जाती है।
- **डीप कंडीशनर** : हेयर ट्रीटमेंट जैसे हेयर मास्क और डीप कंडीशनिंग हमारे बालों के पीएच संतुलन को बिगाड़ देते हैं, यही वजह है कि ऐसे ट्रीटमेंट सप्ताह में एक या दो सप्ताह में एक बार कराने

- की सलाह दी जाती है।
- **ड्राई शैंपू** : बालों पर ड्राई शैंपू का ज्यादा इस्तेमाल अगर रोज किया जाता है तो इससे बाल कमजोर हो जाते हैं और बाल टूटने लगते हैं। ड्राई शैंपू में जिन केमिकल्स का इस्तेमाल किया जाता है, वह हमारे स्कैलर के रोमकूपों को बंद कर देते हैं और इससे बालों की वृद्धि रुक जाती है, इनका इस्तेमाल सप्ताह में दो बार से ज्यादा नहीं करना चाहिए।

बैग पैक करिए और निकल जाइए अकेले घूमने

दुनिया में कई लोग हैं जो एक समूह के साथ किसी यात्रा पर जाना पसंद करते हैं। धीरे-धीरे आप ऐसे विचारों में फँसकर खुद को डिप्रेशन और तनाव जैसी बीमारियों की आग लगे जाते हैं, लेकिन इस तरह की सोच से बाहर निकलने के लिए आपको कुछ समय खुद को ब्रेक देने की जरूरत होती है। इसके लिए आपको सोलो ट्रेवलिंग जरूर करना चाहिए ताकि आपको एक अलग नज़रिया, कई दोस्त और नए एक्सपीरियंस मिलें।

मनमर्जी से बनाते हैं प्लान : दोस्तों के साथ सफर करने पर आपको कई चीजों का ध्यान रखना होता है। अपनी छुट्टियों के साथ-साथ अपने दोस्तों के हिसाब से प्लान में फेरबदल करना पड़ता है, जो कई बार परेशान करने वाला होता है। ऐसे में अकेले प्लान बनाएं और निकल पड़ें एक रोमांचक सफर पर, ताकि फिर बाद में किसी तीसरे शख्स के लिए प्लान में अनावश्यक फेरबदल न करना पड़े।

बजट रहता है कंट्रोल : सोलो ट्रिप पर निकलने से पहले ही उसका बजट पहले से ही तय कर लिया जाता है। ट्रिप के दौरान कहाँ घूमना है, कहाँ जाना है, जानें का माध्यम क्या है, कहाँ ठहरना है। इन सब की प्लानिंग में ज्यादा पैसा खर्च नहीं होता है। बजट का अंदाजा लग जाता और उसी तरह से आप खर्चों को कंट्रोल कर पाते हैं।

मूड बूस्टर का काम : कई बार आपने लोगों को देखा होगा कि वह कहीं से घूमकर आते हैं, तो कई दिनों तक उस ट्रिप या ट्रैवल के बारे में याद करके लोगों को बहुत बातें करते हैं और उनके चेहरे पर अलग तरह की खुशी होती है। साथ ही उन पलों को याद करके उनको एक नई ऊर्जा का एहसास होता है। इस तरह आप भी बस नयी यादें बनाने के लिए निकल पड़ें। ये यादें आपके लिए जीवन भर मूड बूस्टर का काम करती हैं।

नई स्किल्स सीखने का मौका : सोलो ट्रैवल आपको नई जगहों पर ढलना सिखाता है। आप समस्याओं से अकेले निपटते हैं और निर्णय लेते हैं। नई स्किल्स सीखते हैं, भाषा सीखना, रास्ता ढूँढना आदि। इसके अलावा, आपमें प्रोब्लम सॉल्विंग और डिसीजन मेकिंग स्किल भी बढ़ता है। अकेले यात्रा करने से आप नए लोगों से मिलते-जुलते हैं और खुद को अजनबी माहौल में ढालते हैं। इससे आपकी सोशल स्किल्स भी बेहतर होती हैं।



इन बातों का रखें ध्यान

- ट्रिप से पहले उस जगह के बारे में पूरी स्टडी कर लें। पसंद और सुविधा के लिहाज से जगह का चयन करें।
- अकेले सफर पर जाएं तो लगेज में उतना ही सामान रखें, जितना आसानी से उठा सकें। इससे सफर के समय मुश्किल नहीं होगी और आसानी से ट्रिप का लुफ्तउठा पाएंगे।
- लोकल लोगों से बात करने से आपको बेहतर अनुभव मिलेगा। वे लोग आपकी मदद भी ज्यादा बेहतर कर पाएंगे।
- किसी भी तरह की आपात स्थिति के लिए खुद को तैयार करके रखें। बेहतर होगा कि सभी जरूरी इमरजेंसी नंबर अपने मोबाइल या डायरी में सेव करके रखें।
- आप किसी भी जगह पर घूमने जाएं तो वहाँ कॉन्सिन्ट होकर घूमें। आपकी बांझी लैंग्वेज से ऐसा बिल्कुल जाहिर ना होने दें कि आप वहाँ के लिए नए हैं।
- पूरी नींद लें, हेल्दी खाना खाएं और नियमित रूप से एक्सरसाइज करें।

25 साल बाद अक्षय को मिला तब्बू का साथ, भूत बंगला पर हुआ स्वागत

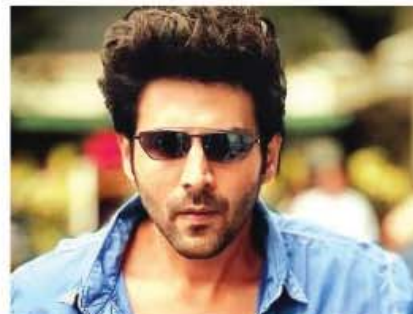
निर्देशक प्रियदर्शन और अभिनेता अक्षय कुमार की जोड़ी 14 साल बाद भूत बंगला के लिए फिर से साथ आ रही है। इस फिल्म में तब्बू की एंट्री हो गयी है। वर्ष 2000 में प्रदर्शित फिल्म हेरा फेरी में अक्षय और तब्बू साथ काम कर चुके हैं। इस फिल्म का निर्देशन भी प्रियदर्शन ने ही किया था। यह फिल्म अक्षय कुमार और तब्बू जैसे ऑन-स्क्रीन आइकॉन्स की वापसी भी होने जा रही, जो इसे और ज्यादा रोमांचक और खास बना देती है। अक्षय कुमार और तब्बू 25 साल बाद भूत बंगला में अपनी जादूगरी दिखाने के लिए तैयार हैं। मेकर्स ने अपने सोशल मीडिया पर एक प्यारी-सी तस्वीर शेयर की है, जिसमें अक्षय कुमार और तब्बू सेट पर एक-दूसरे को गले लगाते हुए नजर आ रहे हैं। यह तस्वीर उनके बीच की खास दोस्ती और कैमरे के सामने की केमिस्ट्री को दिखाती है, जो फैंस के बीच एक नई उत्सुकता का कारण बन रही है। उन्होंने कैप्शन में लिखा है, कुछ चीजें समय के साथ अच्छी कर आइकॉनिक बन जाती हैं। प्रियदर्शन के निर्देशन में बन रही फिल्म भूत बंगला को शो भा कपूर, एकता आर कपूर और अक्षय कुमार के प्रोडक्शन



हाउस केप ऑफ गुड फिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया है। फिल्म के को-प्रोड्यूसर्स फारा खेख और वेदांत बाली हैं और यह बालाजी टेलीफिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस की गई है। इसकी कहानी आकाश ए कौशिक ने लिखी है, जबकि स्क्रीनप्ले रोहन शंकर, अंबालाश नायर और प्रियदर्शन ने तैयार किया है। फिल्म के डायलॉग्स रोहन शंकर ने लिखे हैं। भूत बंगला 02 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

कार्तिक आर्यन क्यों है अभी तक सिंगल ?

34 साल के एक्टर कार्तिक आर्यन का नाम बाँलीवुड की कई हसीनाओं के साथ पहले जुड़ चुका है। इन एक्ट्रेसस में सारा अली खान, कृति सेनन, अनन्या पांडे और तारा सुतारिया का नाम शामिल है, लेकिन हाल ही में भूल भुलैया 3 फेम एक्टर ने मीतू का नाम लिया था। जिसके बाद उनके फैंस का दिल टूट गया था। हाल ही में एक्टर ने एक इंटरव्यू में कहा, अभी मेरा वक्त फिल्में में जा रहा है। इसलिए टाइम नहीं मिल पा रहा है। और बार-बार आप एक ही ऑफिस में जाते रहते हो। तो कहीं और जाने का मौका भी नहीं मिल रहा। किसी और से मिलने का मौका नहीं मिल रहा। तो मैं पूरी तरह से सिंगल हूँ। इसमें कोई झूठ नहीं है। वर्कफ्रंट में कार्तिक करण जोहर की फिल्म तू मेरी में तेरा, में तेरा तू मेरी में नजर आएंगे। इस फिल्म



की छोटी सी झलक करण ने सोशल मीडिया पर शेयर की थी जिसने फैंस को दीवाना बना दिया था। इसके अलावा आशिकी 3 में नजर आएंगे।

कृष्ण भारद्वाज ने प्रशंसक से हुई प्रेरणादायक मुलाकात

सोनी सब के लोकप्रिय टेलीविजन शो, वागले की दुनिया, नई पीढ़ी, नए किस्से और पुष्पा इम्प्रासिबल में अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए प्रसिद्ध, युवा कलाकार शोहान कपाडी और देशना दुग्ग को हाल ही में शो तेनाली रामा के सेट पर अपने आदर्श तेनाली रामा (कृष्ण भारद्वाज) से मिलने का यादगार अनुभव हुआ। इस मजाकिया और बुद्धिमान किरदार के उत्साही प्रशंसक, इन युवा कलाकारों को अपने ऑनस्क्रीन आदर्श से व्यक्तिगत रूप से मिलने का दुर्लभ अवसर मिला। जब उन्होंने तेनाली रामा की मुख्य भूमिका निभाने वाले कृष्ण भारद्वाज से बातचीत की और शो से जुड़े अपने पसंदीदा पलों को साझा किया, तो उनका उत्साह स्पष्ट था।



देखना हमें लोक से हटकर सोचने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। आज यहाँ आकर किसी सपने के सच होने जैसा महसूस हो रहा है। इन युवा सितारों का स्वागत करते हुए, कृष्ण भारद्वाज ने उनके प्यार के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा, उन युवा प्रशंसकों से मिलने का अनुभव दिल छूने वाला है जो आज भी तेनाली रामा से जुड़े हुए हैं। देशना के पुराने किस्से और शोहान की तारीफ्सुनकर मुझे वाद आता है कि इस किरदार में इतनी कालातीत अपील क्यों है। तेनाली रामा का किरदार निभाना सौभाग्य की बात है और ऐसे प्रतिभाशाली युवा कलाकारों के साथ उस खुशी को साझा करना इस ओर भी खास बना देता है।



दबीड़ी-दबीड़ी की ट्रोलिंग पर उर्वशी रौतेला ने तोड़ी चुप्पी

उर्वशी रौतेला इन दिनों अपने गाने दबीड़ी-दबीड़ी के लिए सुर्खियों बटोर रही हैं। डाकू महाराज का ये गाना और उर्वशी कई वजहों से चर्चा में है। पहली वजह तो अभिनेत्री की नंदमुरी बालकृष्ण संग पेयरिंग, दोनों की उम्र में 34 साल का अंतर है और दूसरा गाने के स्टेप्स। दबीड़ी-दबीड़ी के डांस स्टेप्स देखने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि ये देखने में काफी फुडू और अश्लील लग रहे हैं। गाने को लेकर लगातार ही रही ट्रोलिंग पर अब उर्वशी रौतेला ने भी प्रतिक्रिया दी है।

एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने कहा, नंदमुरी जैसे दिग्गज के साथ काम करना एक बड़ा सम्मान है। नंदमुरी सर के साथ डांस मेरे लिए सिर्फ एक परफॉर्मेंस नहीं था, यह कला, कड़ी मेहनत और कला के प्रति सम्मान है। उनके साथ काम करना एक सपने के सच होने जैसा था और हर कदम, हर इशारा साथ मिलकर कुछ खूबसूरत करने का था। ट्रोलिंग को लेकर भी एक्ट्रेस ने कहा, मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात मेरे फैंस से मिलने वाला प्यार और हमारे बीच का



सच्चा जुड़ाव है। कला हमारी भावनाओं को दिखाती है और आलोचना चाहे जितनी भी हो, मेरा उद्देश्य शानदार और बेस्ट परफॉर्म करने में रहा है। सफलता के साथ-साथ आलोचना मिलना तब है। मैं समझती हूँ कि ये चर्चाएं और लोगों की राय इस जर्नी का हिस्सा हैं। नंदमुरी गारू के साथ डांस के संबंध में, मैं किसी भी परफॉर्मेंस के साथ आने वाले दुष्टकोण की डायवर्सिटी का सम्मान करती हूँ। उनके जैसे दिग्गज के साथ काम करना

मेरे लिए सम्मान की बात थी और यह अनुभव सहयोग, आपसी सम्मान और कला के प्रति जुनून का था। बाँबी काली के निर्देशन में बनी और नागा वामसी के बैनर सितारा एंटरटेनमेंट तले बनी डाकू महाराज में नंदमुरी बालकृष्ण और उर्वशी रौतेला सहित बाँबी देओल भी अहम रोल में हैं। फिल्म में बाँबी देओल एक बार फिर खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म 12 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।



अनोपचंद तिलोकचंद ज्वेलर्स प्रस्तुत रॉक एंड डोल में हजारों ने किया गरबा, दूसरे दिन विजेता सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

चौहान इंपीरियन में चल रहे एटी ज्वेलर्स प्रेजेंट्स मिर्ची रॉक एंड डोल गरबा महोत्सव के दूसरे दिन हजारों भक्तों ने डॉडिया-गरबा का शानदार प्रदर्शन किया। डोल की थाप और गरबा की मस्ती में पूरा पंडाल झूम उठा। गरबा प्रेमियों के उत्साह को देखते हुए आयोजन समिति ने विभिन्न कैटेगरी में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। आयोजकों ने बताया कि इस वर्ष गरबा में प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। निर्णायकों ने प्रस्तुति, वेशभूषा और समूह समन्वय के आधार पर विजेताओं का चयन किया।

ये रहे विजेता

- * बेस्ट कपल - विपुल परमार और दीपिका परमार
- * बेस्ट ट्रेडिशनल ड्रेस (महिला) - मेहा बैरानी
- * बेस्ट ग्रुप - पुष्पा नैरेशा ग्रुप और दीपाली-अभिजीत ग्रुप
- * स्पेशल परफॉर्मेंस (काली माता) अपर्िता लॉय
- * बेस्ट ड्रेस (पुरुष) - राज
- * बेस्ट फैमिली - प्रमोद राठोड़ फैमिली
- * क्यूटेस्ट किड - अवनी मिश्रा

आयोजन में सभी विजेताओं को स्मृति चिन्ह और उपहार देकर सम्मानित किया गया।



मिट्टी के मैदान से निकलकर छग हॉकी लीग तक पहुंचे चिंताराम पटेल

राजधानी रॉयल्स में हुआ चयन



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कहते हैं कि जब किसी क्षेत्र की मिट्टी में प्रतिभा, मेहनत और जुनून का संगम होता है, तो वहां से ऐसे खिलाड़ी निकलते हैं जो सुख-सुविधाओं या आधुनिक संसाधनों के मोहताज नहीं होते। इसे सच कर दिखाया है बारगांव के होनहार और प्रतिभावान हॉकी खिलाड़ी चिंताराम पटेल ने, छत्तीसगढ़ की पहली और सबसे बड़ी छत्तीसगढ़ हॉकी लीग (उल्लेख) में चिंताराम का चयन प्रतिष्ठित टीम 'राजधानी रॉयल्स' में हुआ है, यह लीग 21 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक रायपुर में आयोजित है, ग्रामीण अंचल की मिट्टी से निकले इस खिलाड़ी की यह सफलता आज के युवाओं के लिए प्रेरणा की एक नई मिसाल बन गई है, बिना एस्ट्रो टर्फ, बुलंद हौसलों से तय किया सफर

आधुनिक समय में जहां हॉकी खेलने के लिए बेहतरीन एस्ट्रो टर्फ मैदानों की जरूरत समझी जाती है, वहीं चिंताराम ने गांव के साधारण मिट्टी के मैदान पर पसीना बहाकर इस खेल की बारिकियों को सीखा। उनके पास न तो महंगे खेल संसाधन थे और न ही कोई आधुनिक सुविधाएं, लेकिन उनके होसले हमेशा बुलंद रहे। मिट्टी के मैदान पर दिन-रात की गई उनकी कड़ी मेहनत रंग लाई और आज वे राज्य की इस प्रतिष्ठित लीग की प्रमुख टीम का हिस्सा बन चुके हैं। संघर्ष से सफलता तक का सफर

खिलाड़ी चिंताराम पटेल रोजाना साइकिल से अपने गांव मुड़पार से 03 किलोमीटर दूर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बारगांव से लगे खेल मैदान में अभ्यास के लिए जाते हैं। वहां वे व्यायाम शिक्षिका व कोच तुलसी साहू के मार्गदर्शन में नियमित रूप से हॉकी खेल का कड़ा अभ्यास करते हैं। कोच के कुशल नेतृत्व, सही रणनीति और चिंताराम के अटूट जुनून ने मिलकर उनकी प्रतिभा को निखारा और आज उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। पिता का सपना बेटे ने किया पूरा चिंताराम के पिता देवसिंह पटेल एक साधारण कृषक हैं और माता गृहणी हैं। अपने बेटे को हॉकी खेल में राष्ट्रीय स्तर एवं बड़ी प्रतियोगिताओं में खेलते देखा पिता का एक बड़ा सपना था। आज इस सपने को उनके बेटे ने अपनी कड़ी मेहनत, लगन और खेल के प्रति ईमानदारी से सच करके दिखाया है, जिससे पूरे परिवार और क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर दर्ज कर चुके हैं स्वर्णिम सफलता चिंताराम पटेल लगातार राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं में अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन कर रहे हैं 26वीं राज्य स्तरीय शालेय प्रतियोगिता (बिलासपुर, 2026): शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया, 69वीं नेशनल स्कूल गेम्स (रांची, झारखंड, 2025-26): छत्तीसगढ़ की ओर से राष्ट्रीय स्तर पर सहभागिता दर्ज की, 25वीं राज्य स्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता (कोरबा, 2025) उत्कृष्ट खेल की बदौलत कांस्य पदक जीता

कोच तुलसी साहू के मार्गदर्शन की सराहना चिंताराम की इस ऐतिहासिक कामयाबी के पीछे उनकी व्यायाम शिक्षिका और कोच तुलसी साहू का बहुत बड़ा योगदान है, ग्रामीण परिवेश में सीमित साधनों के बीच एक बेहतरीन राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी तैयार करना कोच की कड़ी मेहनत और विजय की कहानी बयां करता है, उनकी सही ट्रेनिंग और रणनीतियों ने चिंताराम की खेल प्रतिभा को तराशने में मुख्य भूमिका निभाई है।



नवरात्रि पर्व पर कन्या भोज का आयोजन कर कन्याओं को कराया गया भोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

श्रद्धालुओं ने कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर किया पूजन एवं वंदन। कन्याओं को तिलक लगाकर उपहार भेंट किए और लिया आशीर्वाद। भक्ति, श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया कन्या भोज का पर्व।

अखिलेश यादव की चाल से यूपी में सियासी हलचल तेज

चुनाव से पहले क्या ठक्कर में लगेगी सैंध?

आलोक तिवारी / लखनऊ

लगाए जा रहे हैं कि वे जल्द ही सपा का दामन थाम सकते हैं।

उत्तर प्रदेश में आगामी चुनावों को लेकर सियासी

बिसात बिछनी शुरू हो गई है। एक तरफ सत्ताधारी बीजेपी अपना किला मजबूत करने में जुटी है, तो दूसरी तरफ सपा प्रमुख अखिलेश यादव एनडीए के कुनबे में सेंधमारी की तैयारी में हैं।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि एनडीए के कई सहयोगी दल और विधायक समाजवादी पार्टी के संपर्क में हैं और वेट एंड वॉच की मुद्रा में हैं। अखिलेश यादव के हालिया बयानों से भी संकेत मिल रहा है कि वे सही समय पर ऐसे नेताओं को अपने पाले में ला सकते हैं। सपा की रणनीति माहौल को धीरे-धीरे गर्म कर

चुनाव के नजदीक राजनीतिक लाभ लेने की है।

बड़े चेहरों की घर वापसी शुरू प्रदेश में पाला बदलने का दौर शुरू हो गया है। पश्चिमी यूपी के कद्दावर नेता राजपाल सिंह सैनी ने सपा में वापसी कर ली है। वहीं पूर्व सांसद धर्मेन्द्र कश्यप ने बीजेपी छोड़ अपनी बेटी के साथ अखिलेश यादव से मुलाकात की है। कयास



वार-पलटवार तेज

राज्यसभा चुनाव के बाद बीजेपी और सपा के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के नारे पर हमला बोलते हुए इसे परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी बताया। वहीं अखिलेश यादव यह संदेश देते हैं जुटे हैं कि प्रदेश में बदलाव की हवा है और असंतुष्ट नेता नया विकल्प तलाश रहे हैं।

किस्तों में दलबदल की मास्टर स्ट्रैटेजी

सपा रणनीतिकारों के मुताबिक सभी असंतुष्ट

नेताओं की एंट्री एक साथ नहीं, बल्कि किस्तों में कराई जाएगी। इसके पीछे दो वजह हैं - एक साथ एंट्री से स्थानीय कार्यकर्ताओं में नाराजगी बढ़ सकती है, दूसरा किस्तों में दलबदल से लगातार यह संदेश जाएगा कि बीजेपी के नेता सपा से जुड़ रहे हैं। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आएंगे, यूपी का सियासी पारा और चढ़ना तय माना जा रहा है।

'भारत विरोधी दशानन रावण' पोस्टर में राहुल-अखिलेश समेत कई की तस्वीरें

उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक बयानबाजी और पोस्टर के जरिए हमले जारी हैं। इसी बीच विजयादशमी यानी दशहरे से पहले लखनऊ के कई प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर लगाए गए विवादित पोस्टरों ने सियासी हलचल बढ़ा दी है।

भारत विरोधी दशानन रावण 'शीर्षक वाले ये पोस्टर सनातन रक्षा संगठन की ओर से लगाए गए हैं। इनमें रावण की प्रतीकात्मक तस्वीर के दस सिरों पर देश-विदेश की कई चर्चित राजनीतिक, सामाजिक और

कारोबारी हस्तियों के चेहरे लगाए गए हैं। अतीत अहमद को मुख्य रावण के रूप में दिखाया पोस्टर के केंद्र में माफिया अतीक अहमद को रावण के चेहरे के रूप में दर्शाया गया है। इसके अलावा अन्य सिरों पर माफिया मुख्तार अंसारी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण की तस्वीरें लगाई गई हैं।

सड़क पर वाहन खड़े करने वालों पर कार्रवाई



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सड़क पर अव्यवस्थित तरीके से वाहन खड़े कर यातायात बाधित करने वालों के खिलाफ यातायात पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी कड़ी में शुक्रवार को सुपेला से पावर हाउस तक सड़क पर वाहन खड़े करने वाले ऑटो डील संचालकों के विरुद्ध नगर निगम के साथ संयुक्त कार्रवाई की गई। वहीं, पावर हाउस ऑटो स्टैंड में चालकों को यातायात नियमों का पालन करने और निर्धारित स्थान पर ही ऑटो खड़े करने की समझाइश दी गई। यातायात पुलिस के अनुसार, सड़क पर बेतरतीब ढंग से खड़े वाहनों के कारण आम नागरिकों और अन्य वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी होती है। इससे जाम की स्थिति भी निर्मित होती है। इसे देखते हुए नगर निगम के साथ मिलकर सड़क पर खड़े वाहनों के कारण उत्पन्न हो रही

बाधाओं को दूर करने की पहल की गई।

पावर हाउस ऑटो स्टैंड में चालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे सड़क के बीच या आवागमन वाले मार्ग पर ऑटो खड़े न करें। ऑटो की निर्धारित स्थान पर अथवा सड़क किनारे व्यवस्थित तरीके से खड़ा करें, ताकि दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों सहित आम नागरिकों को परेशानी न हो। ऑटो चालकों को वाहन चलाते समय निर्धारित बर्दी पहनने तथा यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत दी गई। यातायात पुलिस ने ऑटो डील संचालकों और चालकों से सड़क को पार्किंग स्थल नहीं बनाने तथा यातायात व्यवस्था सुचारु रखने में सहयोग करने की अपील की है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन कर यातायात बाधित करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

फर्जीवाड़ा कृषि-उद्यानिकी विभाग में हड़कंप

हल्दी बीज वितरण में बड़े घोटाले का खुलासा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में हल्दी बीज वितरण में कथित अनियमितता, भ्रष्टाचार और केंद्रीय अनुदान हड़पने का बड़ा मामला सामने आया है। मामले के उजागर होते ही कृषि विभाग और उद्यानिकी विभाग में हड़कंप

पड़ताल मचा गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक प्रार्थमिक जांच में ही बड़े पैमाने पर गड़बड़झाला सामने आया है। आरोप है कि छत्तीसगढ़ शासन को कृषि के लिए उपयुक्त हल्दी बीज मुहैया कराने के नाम पर किसानों को चूना लगाने की सुनियोजित साजिश रची



गई। दोषियों के खिलाफ त्रुटिफर्ज कराने की कवायद तेज हो गई है।

मामला सुखियों में आते ही कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने उद्यानिकी विभाग को जांच के निर्देश दिए। संचालनालय स्तर पर टीम गठित कर हल्दी बीज सप्लाई की प्रक्रिया और बीज की गुणवत्ता की जांच की जा रही है।

राज्य सरकार ने हल्दी की खेती करने वाले किसानों के खेतों में फसल और रोपित रकबे के सत्यापन के लिए डिजिटल क्रॉप सर्वे कराने के निर्देश दिए हैं।

विभागीय सूत्रों के अनुसार जांच और सत्यापन पूरा होने तक योजना के तहत अनुदान भुगतान पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। कृषि मंत्री ने साफ किया है कि जांच रिपोर्ट आते ही दोषी अधिकारियों और संबंधित संस्थाओं पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मंगेतर पर जानलेवा हमला

मिर्च पाउडर डालकर

किया चाकू से वार

भिलाई। प्रेम प्रसंग और आधार कार्ड को लेकर उपज विवाद में एक युवक पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि युवक की आंखों में मिर्च पाउडर डालकर धारदार हथियार से वार किया गया। घटना 15 अक्टूबर की रात करीब 9:30 बजे जामुल थाना क्षेत्र के शिवपुरी इलाके की है। मामले में पुलिस ने आरोपी दीपक गुप्ता (48) को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, प्रार्थी अमित कुमार बंजारे ने थाना जामुल में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपनी प्रेमिका किरण गुप्ता के साथ आरोपी दीपक गुप्ता के पास पहुंचा था। किरण ने विवाह के लिए आधार कार्ड की आवश्यकता बताते हुए आरोपी से आधार कार्ड मांगा, जिसको लेकर विवाद हो गया।

GOSWWAMI FLEX PRINTING

ADVERTIZER

भिलाई में सबसे सस्ता, सबसे अच्छा

◆ Hoardings ◆ Flex Banner ◆ Vinyl Printing
◆ One Way Vision ◆ Glow Sign Board

93290-13334, 74711-15735
goswamiflex@gmail.com

Address - 3rd Floor Shop No-1, Arcra Tower, M.C. Market

अर्चना फ्लाइ ऐश ब्रिक्स

निर्माता एवं विक्रेता

हैवी इंडस्ट्रीयल एरिया, भिलाई

8 इंच एवं 9 इंच में उपलब्ध है।

संपर्क करें 9329960605, 9827160605, 9098639991

Baked by Suhani

Premium Homemade Cakes & Desserts

birthday Cakes
Anniversary Cakes
Custom Theme Cakes
Serving Bhilai & Durg

baked.by.suhani
posts, message

Suhani Singh
Premium Homemade Cakes & Desserts
Serving Bhilai & Durg
DM for Order

Followed by _s_andeep

Follow Message

Order Now:
@baked.by.suhani
MO.6263734520